आज की खबर आज ही

चेतना मंच

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

आस्था एवं सूर्य उपासना के महापर्व छठ की हार्दिक शुभकामनाएं

वर्ष : 27 | अंक : 308 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, सोमवार, 27 अक्टूबर, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

आवारा कुत्तों के मुद्दों पर मुख्य सचिवों को नोटिस

'देश की विदेशों में इमेज खराब हो रही है'

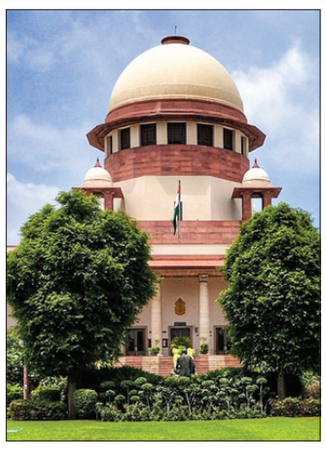

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में आवारा कुत्तों के मामले में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने आज पश्चिम बंगाल और तेलंगाना को छोड़कर सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को हलफनामा दाखिल न करने पर तलब किया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सिर्फ पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और दिल्ली नगर निगम ने ही कंप्लायंस एफिडेविट फाइल किया है। अदालत ने पश्चिम बंगाल और तेलंगाना के अलावा बाकी राज्यों और केंद्र शासित राज्यों के चीफ सेक्रेटरी को 3 नवंबर को पेश होने का निर्देश दिया।

22 अगस्त को, कोर्ट ने राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को कम्प्लायंस एफिडेविट फाइल करने का निर्देश दिया था। आज, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने नोट किया कि केवल पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और दिल्ली नगर निगम ने ही कम्प्लायंस एफिडेविट फाइल किया है।

मामले पर नाराजगी जाहिर करते हुए जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा कि कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित राज्यों को नोटिस जारी किया था और आदेश की बड़े पैमाने पर रिपोर्टिंग भी हुई थी। जस्टिस नाथ ने कहा कि लगातार घटनाएं हो रही हैं और देश की इमेज दूसरे देशों की नजर में खराब हो रही है। हम न्यूज रिपोर्ट भी पढ़ रहे हैं।

जस्टिस नाथ ने खास तौर पर एडिशनल सॉलिसिटर जनरल अर्चना पाठक दवे से (शेष पृष्ठ-4 पर)

डिजिटल अरेस्ट स्कैम पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

नई दिल्ली (एजेंसी) देशभर में तेजी से बढ़ रहे डिजिटल अरेस्ट स्कैम को लेकर अब सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इस मामले पर नोटिस जारी करते हुए कहा है कि वे ऐसे मामलों की स्थिति और जांच की प्रगति की पूरी जानकारी अदालत में पेश करें।

सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है कि सभी राज्य सरकारें उन मामलों का ब्यौरा जमा करें, जिनमें साइबर अरेस्ट या डिजिटल ठगी के तहत जांच लंबित है। शीर्ष अदालत ने इस मामले को 3 नवंबर को दोबारा सुनने का फैसला किया है। दरअसल, हाल के दिनों में देशभर से कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें ठग खुद को पुलिस अधिकारी या न्यायिक प्राधिकरण बताकर आम नागरिकों, खासकर वरिष्ठ नागरिकों से पैसे ऐंठ रहे थे। इन ठगों द्वारा बनाए गए डिजिटल अरेस्ट वीडियो कॉल या ईमेल लोगों को डराने और ब्लैकमेल करने के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने इन घटनाओं पर स्वत: संज्ञान लेते हुए कहा था कि यह गंभीर अपराध है और इससे नागरिकों का कानून व्यवस्था पर भरोसा कमजोर हो सकता है। अदालत ने केंद्र सरकार और सभी राज्यों से ठोस कदम उठाने के निर्देश भी दिए हैं ताकि साइबर अपराधियों पर रोक लगाई जा सके।

सरकारी जमीनों पर कब्जा किया तो खैर नहीं : मुख्यमंत्री

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को फिर जनता दर्शन किया। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के कई जनपदों से आये हर पीड़ित से मुलाकात की, उनके पास पहुंचकर समस्या सुनी, फिर अफसरों को निर्देश दिया कि निश्चित समयावधि में उचित निस्तारण कराएं। पीड़ितों से फीडबैक भी लें। इस दौरान लगभग 50 से अधिक पीड़ितों ने अपनी समस्या से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। फरियादियों से मिलने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि आपकी सेवा ही सरकार की प्राथमिकता है।

जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि सरकारी जमीनों पर कब्जा किया गया है। इस पर मुख्यमंत्री ने इसकी जांच कर तत्काल कब्जा हटवाने के निर्देश दिए। वहीं एक पीड़ित ने इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग की। इस पर मुख्यमंत्री ने अस्पताल से एस्टिमेट बनवाने को कहा। उन्होंने कहा कि धन के अभाव में किसी पीड़ित का इलाज अधूरी नहीं रहेगा। सरकार हर जरूरतमंद के इलाज की व्यवस्था के लिए खड़ी है।

जनता दर्शन में एक महिला कलाकार भी पहुंचीं। उन्होंने मुख्यमंत्री से बताया कि वे लोकगीत कलाकार हैं। उन्हें सांस्कृतिक कार्यक्रम करना है। मंच दिला दीजिये। (शेष पृष्ठ-4 पर)

मामूली झगड़े में चाकू घोंपकर हत्या

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के सदरपुर गांव में मामूली विवाद में एक व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त चाकू बरामद कर लिया है। पुलिस के मुताबिक मूल रूप से ग्राम मोहम्मदपुर जनपद छपरा बिहार का रहने वाला राजन शाह हाल में सलारपुर गांव में किराए पर रह रहा था। उसके पड़ोस में ही मोतीहारी बिहार निवासी सुरेश भी रहता था। रविवार को दोनों एक ठेले पर खड़े हुए थे। किसी बात पर दोनों के बीच वाद-विवाद हो गया। वाद-विवाद में दोनों के बीच मारपीट होने लगी। इस दौरान सुरेश ने राजन शाह को चाकू घोंप दिया। (शेष पृष्ठ-4 पर)

किशोरों को चाकू मारने वाला गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। मामूली विवाद में दादरी कस्बे में दो किशोर को चाकू मारने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना में घायल किशोरों का उपचार चल रहा है।

कठहेडा रोड दादरी निवासी मुन्ना ने रविवार को दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि कस्बा मेवातियान निवासी शावेज ने मामूली विवाद के बाद उनके बेटे असद तथा उसके दोस्त अमन पर जानलेवा हमला कर दिया था। आरोपी ने दोनों को जान से मारने की नीयत से चाकू से वार किए थे। इस घटना में दोनों किशोर घायल हो गए थे।

थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ तुरंत मुकदमा दर्ज कर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने आज मुखबिर की सूचना पर घटना को अंजाम देने के आरोपी में शावेज़ पुत्र राजुद्दीन को कठहेडा रोड तिराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया। इसके पास से घटना में प्रयुक्त चाकू भी बरामद हुआ है। पकड़े गए आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया है।

जान से मारने की दी धमकी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना जेवर क्षेत्र में एक व्यक्ति ने तीन लोगों के खिलाफ गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित का आरोप है कि उसके द्वारा पूर्व में दर्ज कराए गए मुकदमे में समझौता न करने पर आरोपी उसे धमकी दे रहे हैं। ग्राम नगला आर आर कॉलोनी जेवर निवासी राजू ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसने पूर्व में थाना जेवर में जुनैद पुत्र मुन्ना व नाजिम पुत्र अकबर निवासी नगला शरीफ के विरुद्ध एक मुकदमा लिखवाया था। इस मुकदमे में समझौता करने के लिए सद्दाम, शावल, (शेष पृष्ठ-4 पर)

शातिर स्नेचर गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। चोरी के बाइक पर सवार होकर मोबाइल फोन झपटमारी की घटनाओं को अंजाम देने वाले एक शातिर स्नैचर को थाना सेक्टर-20 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपों के पास से चोरी की बाइक तमंचा कारतूस व छीने गए तीन मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। थाना प्रभारी डीपी शुक्ल ने बताया कि पुलिस टीम सेक्टर-21/25 जलवायु विहार चौराहे पर चेकिंग कर रही थी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सूचना दी कि सेक्टर-25 के गेट नंबर-7 के पास एक संदिग्ध व्यक्ति खड़ा हुआ है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर पहुंचकर उक्त व्यक्ति को हिरासत में ले लिया। तलाशी में इसके पास से तमंचा, कार्टून, तीन मोबाइल फोन व टीवीएस अपाचे बाइक बरामद हुई। पूछताछ में पकड़े गए बदमाश ने अपना नाम लकी उर्फ लोकेंद्र पुत्र गुड्डू निवासी जनपद हमीरपुर बताया। आरोपी हाल में सर्फाबाद गांव में किराए पर दे रहा है। थाना प्रभारी ने बताया कि सख्ती से पूछताछ करने पर लकी उर्फ लोकेंद्र ने बताया कि उसके पास से बरामद तीनों मोबाइल फोन छीन हुए हैं। टीवीएस अपाचे बाइक उसने कुछ (शेष पृष्ठ-4 पर)

मादक पदार्थों के साथ पकड़ा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दनकौर पुलिस ने मादक पदार्थों के एक विक्रेता को गिरफ्तार किया है। इसके पास से गांजा बरामद हुआ है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम गश्त पर थी। इस दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि एक व्यक्ति यमुना एक्सप्रेस-वे की सर्विस रोड से चपरगढ़ अंडरपास की तरफ आ रहा है इसके पास गांजा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने बताए गए स्थान से एक व्यक्ति को हिरासत में लिया। तलाशी में उसके पास से 1 किलो 200 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम लव सैनी पुत्र जगदीश सैनी निवासी मोहल्ला प्रेमपुरी कस्बा डंकर बताया। लव सैनी ने बताया कि वह गांजे की छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर उन्हें नशे के आदी लोगों को बेचता है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

ऑटो में सवारी को लूटने वाले बदमाशों से मुठभेड़, दो बदमाश घायल

गाजियाबाद (चेतना मंच)। गाजियाबाद के थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस टीम ने क्षेत्र में लूट की घटनाओं को अंजाम देने वाले 4 लुटेरे को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। पुलिस मुठभेड में 2 लुटेरे घायल हो गए। इनके कब्जे से लूट का सामान 2 तमंचा 315 बोर व 2 खोखा कारतूस 315 बोर, 2 जिंदा कारतूस 315 बोर व घटना में प्रयुक्त 1 इलेक्ट्रिक ऑटो बरामद हुआ है।

सहायक पुलिस आयुक्त वेव सिटी श्रीमती प्रियाश्री पाल ने बताया कि थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक में एक एफआईआर (शेष पृष्ठ-4 पर)

चुनावी प्रचार को नोएडा से 20 भाजपा कार्यकर्ता जाएंगे बिहार : महेश चौहान

नोएडा (चेतना मंच)।

बिहार चुनाव में प्रचार के लिए भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर से 20 कार्यकर्ता बिहार जाएंगे। ये कार्यकर्ता विभिन्न विधानसभा सीटों में जाकर भाजपा प्रत्याशियों के लिए प्रचार करेंगे। यह जानकारी भाजपा के महानगर अध्यक्ष महेश चौहान ने दी।

उन्होंने बताया कि एक भारत-श्रेष्ठ भारत अभियान के जिला संयोजक उमेश त्यागी को बिहार जाने वाले नेताओं की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जिला अध्यक्ष महेश चौहान ने बताया कि बिहार चुनाव के लिए जिला महामंत्री उमेश त्यागी को जिला संयोजक बनाया है। भाजपा के पदाधिकारी किस जिले और विधानसभा में जायेंगे इसकी सूची बन गई है। सूची क्षेत्र कार्यालय भेज दी गई है। नोएडा महानगर के कार्यकर्ता बिहार चुनाव के लिए 7 दिन प्रवास पर रहकर प्रचार करेंगे।

कार्यक्रम के जिला संयोजक उमेश त्यागी ने बताया कि सांसद डॉ. महेश शर्मा बिहार में भाजपा प्रत्याशियों के लिए चुनाव प्रचार कर रहे हैं। नोएडा महानगर से करीब 20 वरिष्ठ पदाधिकारी बिहार जाएंगे। जिसमें 15 लोगों की सूची तैयार है।

बकाया रकम अदा न करने पर बिल्डर्स से वापस लिये जाएंगे राहत पैकेज

नोएडा (चेतना मंच)। बकायेदार बिल्डर्स ने यदि 31 अक्टूबर तक बकाया जमा नहीं किया तो उनसे नोएडा प्राधिकरण राहत पैकेज वापस ले लेगा। इसको लेकर बिल्डरों को नोटिस जारी कर दिया गया है।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि अमिताभकांत समिति की सिफारिशों के तहत यूपी सरकार ने 21 दिसंबर 2023 को शासनादेश जारी किया था। इसके बाद प्राधिकरण ने पहले चरण में उन 57 बिल्डर परियोजनाओं को शामिल किया, जिनका किसी न्यायालय में मामला विचाराधीन नहीं था। मार्च-अप्रैल 2024 से बिल्डरों ने बकाया जमा करवाना शुरू कर दिया था। अधिकारियों ने बताया कि 57 में से जिन 35 बिल्डरों ने (शेष पृष्ठ-4 पर)

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

शोक सन्देश

ॐ

गंगा हैं जगतारिणी गंगा सब जग मातु।
गंगा स्वर्ग को देती हैं गंगा सब जग भातु ।।

आपको बड़े दुःखी हृदय के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे पूज्यनीय

03 जनवरी 1966 - 18 अक्टूबर 2025

स्व. ऐडवोकेट श्री सत्यपाल सिंह (प्रधान जी)

(पुत्र स्व. श्री बलजीत सिंह, ग्राम: मकोडा)

जो कि दिनांक 18 अक्टुबर 2025 दिन शनिवार को अपनी संसारिक यात्रा पूरी करके प्रभु के चरणों मे लीन हो गए है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। उनकी आत्मिक शान्ति के लिए

कार्यक्रम

दिनांक 29 अक्टुबर 2025 (दिन बुधवार)

हवन: प्रात 09.00 बजे | शोक सभा प्रात: 10.30 बजे

स्थान: चौधरी बलजीत सिंह फार्म, सेक्टर- गामा 1

निवास: एफ-89, गामा-1, ग्रेटर नोएडा (गौतमबुद्ध नगर)

॥ राम राम ॥ आपकी उपस्थति प्रार्थनीय है ॥ राम राम ॥

शोकाकुल:

माता: श्रीमती परसन्दी देवी
भाई: चौ. प्रमोद प्रधान

पुत्र: एडवोकेट संदीप भाटी "सत्या", जिला उपाध्यक्ष, भाजपा, गौतमबुद्ध नगर, अधिवक्ता उत्कर्ष भाटी
भतीजा : एडवोकेट हर्ष भाटी
पोते-पोतियां: रश्मिका सिंह भाटी, रुद्रवीर सिंह भाटी, लक्षिव सिंह भाटी, अर्शदीप सिंह भाटी, चेतन्य सिंह भाटी
समस्त भाटी परिवार

संपर्क सूत्र: 95408 84141, 95400 02727, 9999449024, 9540002300

ट्रंप का दबाव

सत्ता में आने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप भारत पर चारों तरफ से जिस तरह से दबाव बनाते रहे हैं, उसके निहितार्थ समझना कठिन नहीं है। एक ही मुद्दे पर उनकी नीति चीन-पाकिस्तान व भारत को लेकर अलग-अलग होती है। उनके हालिया कदमों से भारतीय विदेश नीति असहजता के दौर से गुजर रही है। ट्रंप की भारत को मुश्किल में डालने की तमाम घोषणाएं, अब चाहे मनमाना टैरिफ थोपना हो या भारतीय प्रतिभाओं व नागरिकों पर तरह-तरह की बंदिशे लगाना हो, भारतीय जनमानस में नाराजगी का सबब बनती रही हैं। जानकार मानते हैं कि ट्रंप ये दबाव अमेरिका की प्राथमिकताओं के साथ व्यापार समझौते पर भारत को झुकाने के लिये बना रहे हैं। पाकिस्तान के साथ दरियादिली को भी इसी कड़ी के रूप में देखा जाता रहा है। अब इसी कड़ी में रूस से आने वाला सस्ता तेल बंद करवाना ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकता बनी है। भारत कहता रहा है कि वह अपने 140 करोड़ भारतीयों की ऊर्जा जरूरतों को अपने बजट में लाने हेतु रूस से सस्ता तेल खरीद रहा है, जिसका रूस-यूक्रेन युद्ध से कोई सरोकार नहीं है। लेकिन भारत की सॉफ्ट विदेश नीति पर दबाव बनाने हेतु ट्रंप प्रशासन कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहा है। इसी कड़ी में रूसी तेल के दो सबसे बड़े आपूर्तिकर्ताओं रोसनेफ्ट और लुकोइल, पर अमेरिकी कड़े प्रतिबंध भारत को की जाने वाली रूसी तेल की आपूर्ति को बाधित कर सकते हैं। संभव है कि भारत के क्रूड ऑयल खरीदने के विकल्प इन प्रतिबंधों से सीमित हो सकते हैं। कुछ राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे हैं कि यह कदम अमेरिका के साथ संभावित व्यापार समझौते में एक बड़ी बाधा दूर करने वाला कारक भी साबित हो सकता है। कुछ जानकार राष्ट्रपति ट्रंप की यह घोषणा, रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिये रुकी हुई वार्ताओं को लेकर बढ़ती निराशा से उपजी बता रहे हैं। यहां यह उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 में मास्को द्वारा यूक्रेन पर हमला करने के बाद, भारत रियायती रूसी कच्चे तेल का दूसरा बड़ा खरीददार रहा है। वहीं दूसरी ओर वाशिंगटन प्रशासन का आरोप रहा है कि तेल कंपनियां क्रेमलिन की युद्ध मशीन को वित्तपोषित करने में मदद कर रही हैं। ट्रंप और उनके टीम के सदस्य कई बार भारत पर रूसी तेल खरीदकर यूक्रेन युद्ध में रूस की मदद करने के बेतुके आरोप भी लगाते रहे हैं। जिसके चलते ट्रंप प्रशासन ने रूसी कच्चे तेल का आयात करने पर प्रतिशोध के चलते भारत से आने वाले सामानों पर 25 फीसदी का दंडात्मक शुल्क भी लगाया था। भारत सरकार के लिये यह श्रेय की बात है कि वह रूसी तेल खरीद रोकने के दबाव का दृढ़ता से विरोध करती रही है। भारत सरकार का कहना है कि उसकी प्राथमिकता घरेलू उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना है। निस्संदेह, भारत को अब एक और कठिन संतुलन साधने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में मौजूदा चुनौतियों के बीच यदि एक सुनियोजित पुनर्निधारण की आवश्यकता है, तो ऐसा करना चाहिए। वैसे भारी दबाव के बाद भी मोदी सरकार ने ट्रंप सरकार के बार-बार दिए गए उस बयान से खुद को अलग कर लिया है कि वह रूसी तेल आयात में भारी कमी लाएगी। लेकिन अब नये प्रतिबंधों का पालन करने के लिये भारतीय रिफाइनरियों के लिये अल्पावधि में रूसी तेल सौदों से पीछे हटना निश्चित प्रतीत होने लगा है। आने वाले समय में यह दबाव कितना रहेगा, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ट्रंप, दोनों इस नवीनतम टकराव को किस हद तक झेलने के लिये तैयार हैं। भारतीय रिफाइनरियां आवश्यकता पड़ने पर आसानी से नये स्रोतों की ओर रुख कर सकती हैं और अमेरिकी टैरिफ में कमी करके महंगे तेल आयात की भरपाई की जा सकती है। भारत के हितों के अनुकूल निर्णय लेने की अपनी स्वायत्तता पर जोर देना, नई दिल्ली के लिये असली चुनौती है। हमने सस्ता रूसी तेल खरीदने में एक अलग राह चुनी। अब समय आ गया है कि प्रतिबंधों का लाभ उठाकर अमेरिका के साथ एक ऐसा व्यापार समझौता किया जाए, जो दोनों देशों के लिये फायदेमंद हो।

जम्मू-कश्मीर राज्यसभा चुनाव में उलटफेर ने भाजपा की मजबूती और विपक्ष की कमजोरी उजागर कर दी

जम्मू-कश्मीर की राजनीति में शुक्रवार को उस समय हलचल मच गई जब राज्यसभा चुनाव में अप्रत्याशित परिणाम सामने आए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपनी अपेक्षा से अधिक समर्थन पाकर एक सीट जीत ली, जबकि इंडिया गठबंधन (राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी) ने शेष तीन सीटें अपने नाम कीं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सत शर्मा ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रवक्ता इमरान नबी डार को हराया, जबकि भाजपा के पास महज 28 विधायक हैं लेकिन सत शर्मा को 32 वोट मिले। चार अतिरिक्त वोट कहां से आए, यह अब सबसे बड़ा राजनीतिक सवाल है।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आरोप लगाया कि चार विधायकों ने जानबूझकर गलत प्राथमिकता क्रम अंकित कर अपने वोट अमान्य किए और भाजपा की मदद की। वहीं, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन ने इसे फिक्स मैच बताते हुए नेशनल कॉन्फ्रेंस और भाजपा की मिलीभगत करार दिया। यह चुनाव इसलिए भी खास था क्योंकि एक दशक से अधिक समय बाद जम्मू-कश्मीर में राज्यसभा चुनाव हुआ है। 88 में से 86 विधायकों ने मतदान किया, जिसमें एक वोट डाक से डाला गया। एनसी के उम्मीदवार चौधरी मोहम्मद रमजान और साजिद किचलू पहली दो सीटों पर आसानी से विजयी रहे, जबकि तीसरी सीट पर पार्टी को कांग्रेस और पीडीपी का समर्थन मिला।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आरोप लगाया कि चार विधायकों ने जानबूझकर गलत प्राथमिकता क्रम अंकित कर अपने वोट अमान्य किए और भाजपा की मदद की। वहीं, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन ने इसे फिक्स मैच बताते हुए नेशनल कॉन्फ्रेंस और भाजपा की मिलीभगत करार दिया।

कांग्रेस इस बार पहली बार राज्यसभा चुनाव में अपना उम्मीदवार नहीं उतार सकी, क्योंकि नेशनल कॉन्फ्रेंस ने उसे केवल चौथी असुरक्षित सीट देने का प्रस्ताव दिया था। भाजपा ने अपने उम्मीदवारों को जिताने के लिए विपक्षी खेमे में सेंधमारी की और अंततः अपने प्रदेश अध्यक्ष सत शर्मा को जिताने में सफल रही।

सबसे बड़ी बहस इस बात पर है कि वह चार विधायक कौन थे जिन्होंने विपक्ष को समर्थन का वादा करने के बावजूद भाजपा के पक्ष में वोट दिया या अपने मत जानबूझकर अमान्य किए। चूंकि राज्यसभा चुनाव में मतदान गोपनीय नहीं होता, फिर भी निर्दलीय विधायकों को अपने मत पत्र दिखाने की बाध्यता नहीं है।

राजनीतिक दृष्टि से देखें तो यह परिणाम विपक्षी एकता के भीतर विश्वास के संकट की ओर संकेत करता है। इंडिया गठबंधन की कथित मजबूती अब प्रश्नों के घेरे में है। जम्मू-कश्मीर जैसे संवेदनशील राज्य में, जहां क्षेत्रीय दलों की राजनीति पहचान और अस्मिता के सवालों से जुड़ी होती है, ऐसे परिणाम गठबंधन की नैतिक साख पर असर डाल सकते हैं।

देखा जाये तो नेशनल कॉन्फ्रेंस को इस परिणाम के बाद आत्ममंथन करना होगा। उसने कांग्रेस और पीडीपी के साथ मिलकर तीन सीटें तो जीत लीं, लेकिन चौथी सीट पर पराजय से यह स्पष्ट है कि उसकी पकड़ पूरी तरह मजबूत नहीं रही। असुरक्षित सीट पर हार ने यह भी दिखाया कि एनसी को अपने सहयोगियों पर भरोसा नहीं था और शायद यही रणनीतिक गलती भारी पड़ी।

जम्मू-कश्मीर में भाजपा का यह परिणाम राजनीतिक पुनर्स्थापन के संकेत देता है। 2019 के बाद से जबसे अनुच्छेद 370 हटाया गया, भाजपा को स्थानीय राजनीति में बाहरी दल की तरह दिखाने का अभियान विरोधी दलों की ओर से चलाया गया। लेकिन इस चुनाव में क्रॉस वोटिंग के सहारे सीट जीतकर भाजपा ने यह संदेश दिया है कि वह अब भी क्षेत्रीय सत्ता संतुलन को प्रभावित करने की क्षमता रखती है।

यह परिणाम राष्ट्रीय स्तर पर भी इंडिया गठबंधन के लिए झटका है। यह दिखाता है कि विपक्ष की एकता केवल औपचारिक है; जमीनी स्तर पर मतभेद और स्वार्थ राजनीति पर हावी हैं। कांग्रेस की भूमिका विशेष रूप से कमजोर दिखी क्योंकि वह न तो अपने राज्य इकाई की बात मनवा सकी, न ही चौथी सीट पर जोखिम लेने का साहस दिखा सकी। साथ ही सज्जाद लोन की फिक्स मैच वाली टिप्पणी केवल राजनीतिक बयान नहीं बल्कि स्थानीय राजनीति में अविश्वास के बढ़ते माहौल का संकेत है। जब जनता यह देखती है कि विधायकों की निष्ठा किस दिशा में झुकती है, तो लोकतंत्र पर भरोसा कमजोर पड़ता है।

बहरहाल, राज्यसभा चुनाव का यह परिणाम केवल एक संसदीय उपलब्धि नहीं बल्कि जम्मू-कश्मीर की राजनीति में विश्वास, गठबंधन और वैचारिक प्रतिबद्धता के नए परीक्षण का प्रतीक है। भाजपा ने दिखा दिया कि वह अभी भी अप्रत्याशित समीकरण बनाकर खेल पलट सकती है। वहीं, नेशनल कॉन्फ्रेंस और उसके सहयोगियों को यह समझना होगा कि केवल भाजपा-विरोध की राजनीति अब पर्याप्त नहीं है।

-नीरज कुमार दुबे

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि मेरे मनोरथ को आप भलीभाँति जानती हैं, क्योंकि आप सदा सबके हृदय रूपी नगरी में निवास करती हैं। इसी कारण मैंने उसको प्रकट नहीं किया। ऐसा कहकर जानकीजी ने उनके चरण पकड़ लिए॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दो0-पतिदेवता सुतीय महुँ मातु प्रथम तव रेख।
महिमा अमित न सकहिं कहि सहस सारदा सेष॥

पति को इष्टदेव मानने वाली श्रेष्ठ नारियों में हे माता! आपकी प्रथम गणना है। आपकी अपार महिमा को हजारों सरस्वती और शेषजी भी नहीं कह सकते॥

सेवत तोहि सुलभ फल चारी। बरदायनी पुरारि पिआरी॥
देबि पूजि पद कमल तुम्हारे। सुर नर मुनि सब होहिं सुखारे॥

हे (भक्तों को मुँहमाँगा) वर देने वाली! हे त्रिपुर के शत्रु शिवजी की प्रिय पत्नी! आपकी सेवा करने से चारों फल सुलभ हो जाते हैं। हे देवी! आपके चरण कमलों की पूजा करके देवता, मनुष्य और मुनि सभी सुखी हो जाते हैं॥

मोर मनोरथु जानहु नीकें। बसहु सदा उर पुर सबही कें॥
कीन्हेउँ प्रगट न कारन तेहीं। अस कहि चरन गहे बैदेहीं॥

मेरे मनोरथ को आप भलीभाँति जानती हैं, क्योंकि आप सदा सबके हृदय रूपी नगरी में निवास करती हैं। इसी कारण मैंने उसको प्रकट नहीं किया। ऐसा कहकर जानकीजी ने उनके चरण पकड़ लिए॥

(क्रमशः...)

छठ पूजा का सांस्कृतिक और वैज्ञानिक महत्व

मोनिका श्रीवास्तव
क्षेत्रीय कार्यसमिति सदस्य
महिला मोर्चा पश्चिम उत्तर प्रदेश

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सम्पूर्ण भारत में ही नहीं बल्कि विश्व में जगह जगह छठ पूजा का आयोजन किया जा रहा है। छठ पूजा का महापर्व 25 अक्टूबर से शुरू हो गया है, जो 28 अक्टूबर तक चलेगा। इस पर्व में सूर्य देव और छठी मैया की पूजा की जाती है। श्रद्धालु 36 घंटे का निर्जला व्रत रखकर भगवान सूर्य और गंगा मां की आराधना करेंगे।

महाभारत काल में कर्ण ने इसकी शुरुआत की थी। आज यह पर्व बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश में बहुत उत्साह के साथ मनाया जाता है। माताएं इस व्रत के द्वारा अपने पुत्रों के दीर्घायु की कामना करती हैं तथा भिन्न भिन्न गीतों एवं परंपराओं के माध्यम से सूर्य देव व छठी माता की आराधना करती हैं । यह पर्व प्रकृति और आस्था का महासंगम है।

छठ पूजा का महत्व केवल धार्मिक नहीं है, बल्कि यह पर्व प्रकृति, जल, भूमि और सूर्य जैसे कृषि के मूल तत्वों के प्रति आभार व्यक्त करने का अवसर भी है। यह पर्व किसानों के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि यह उनकी मेहनत के फल के लिए सूर्य देव को धन्यवाद देने का अवसर है।

छठ पूजा के अनुष्ठान

छठ पूजा के अनुष्ठानों में शामिल हैं :

नहाय-खाय: व्रती महिलाएं पवित्र नदी में स्नान करने के बाद व्रत रखती हैं और सात्विक भोज करती हैं।

खरना: व्रती महिलाएं निर्जला उपवास रखती हैं और सूर्य देव को अर्घ्य देती हैं।

संध्या अर्घ्य: व्रती महिलाएं सूर्यास्त के समय सूर्य देव को अर्घ्य देती हैं।

उषा अर्घ्य: व्रती महिलाएं सूर्योदय के समय सूर्य देव को अर्घ्य देती हैं।

छठ पूजा के विशेष व्यंजन

छठ पूजा के अवसर पर विशेष व्यंजन बनाए जाते हैं, जिनमें शामिल हैं।

- ठेकुआ
- रसीया खीर
- गुड़
- चावल
- गन्ने का रस

छठ पूजा एक महत्वपूर्ण पर्व है, जो प्रकृति, जल, भूमि और सूर्य के प्रति आभार व्यक्त करने का अवसर है। यह पर्व हमें प्रकृति के महत्व और हमारे जीवन में सूर्य की भूमिका के बारे में याद दिलाता है।

हर वर्ष की भांति नोएडा में विशेष रूप से सेक्टर 75 की समस्त सोसाइटीज, सेक्टर 116, 7एक्स सोसाइटीज ,सेक्टर 71, ममूरा , सेक्टर 27 स्टेडियम , सेक्टर 56 समेत भिन्न भिन्न स्थानों पर विधिवत मनाया जा रहा है।

राशिफल

कार्तिक माह, शुक्ल पक्ष, षष्ठी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
आज वही करें जो आपको सही लगे। हर बात का जवाब देना जरूरी नहीं है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
अगर सुबह धीमी होगी तो पूरा दिन आराम रहेगा। चाय पीते-पीते कुछ समय गुजारिए। जल्दबाजी में काम ना करें।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
अगर आपको अनसुना किया जा रहा तो शांति से पीछे हट जाइए। थकान महसूस हो तो आराम करें।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
पुरानी आदतों को दूर करें। तुरंत जवाब ना दें। कुछ अगर पुराना है तो जरूरी नहीं है कि वह सही ही हो।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
आज आपको हर एक चीज करने की जरूरत नहीं है। दूसरों के लिए हमेशा मौजूद रहने से थकान हो चुकी है तो अब आराम करिए।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
आज कुछ काम को ऐसे ही अधूरा छोड़ दीजिए। जल्दबाजी करने की जरूरत नहीं है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
जरूरी नहीं है कि जिस चीज में आप मेहनत करें, वो आपको फल ही दें। कभी-कभी सब छोड़ देना ही आगे बढ़ने का तरीका होता है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
आज आपको जो भी फील हो रहा है, वह सब सही है। दूसरों को हर चीज समझाने की जरूरत नहीं है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
शांत रहिए। अपने पैटर्न पर एक बार ध्यान दें। खुद को बदलने की जल्दी मत करिए।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
आज अपने विजन को एकदम पकड़कर रखिए। सब कुछ जबरजस्ती करने की जरूरत नहीं है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
आज किसी की उम्मीद को शायद पूरा ना कर पाएं। ईमानदारी का साथ दीजिए। दिल से बोलिए।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
आज मीन राशि वाले एक बार फिर से शुरुआत करने की हिम्मत रखें। जो बोझ आप उठाते चले आ रहे है

नोएडा के सेक्टर-75 में छठ महापर्व पर खरना का प्रसाद ग्रहण करती श्रीमती बबिता श्रीवास्तव।

भाजपा नेता अमित भाटी एडवोकेट ने कल लुहारली नगला फजालपुर शाहपुर आदि गांवों में लोगों से मुलाकात की।

नोएडा में आज छठ पूजा के अवसर पर सेक्टर-75 में बबिता श्रीवास्तव, पूजा त्यागी, सीमा चौधरी, पूजा झा, ऑचल मोदी, शशि खुराना आदि महिलाएं पर्व मनाने की तैयारी करती हुई।

छठ महापर्व की देश ही नहीं विदेशों में भी धूम

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।

भारतीय जनता पार्टी के नेता रवि पंडित एवं डॉ. दीपक कुशवाहा ने छठ महापर्व पर लोगों को बधाई देते हुए कहा कि यह महा पर्व लोगों के जीवन में खुशियां लाने का काम करता है।

उन्होंने कहा कि छठ महापर्व सूर्य देव का पर्व है और यह बहुत कठिन व्रत होता है इसे बहुत स्वच्छता एवं पवित्रता के साथ मनाया जाता है।

उन्होंने कहा कि आज पूरे देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी छठ महापर्व की धूम है। उन्होंने सभी छठ वृतियों एवं छठ पर्व मनाने वाले लोगों को बधाई दी।

भाजपा ने सरदार पटेल जयंती अभियान की बनाई रूपरेखा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी गौतमबुद्धनगर ने सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती समारोह अभियान और एक भारत, आत्मनिर्भर भारत जिला योजना बैठक का आयोजन किया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश राज्य मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री कुंवर बृजेश सिंह उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने की, जबकि संचालन जिला महामंत्री धर्मेन्द्र कोरी ने किया।

बैठक को संबोधित करते हुए कुंवर बृजेश सिंह ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने स्वतंत्र भारत की अखंडता को अपने लोहे जैसे इरादों से साकार किया। उन्होंने बताया कि सरदार पटेल ने 565 रियासतों को भारत में विलय कर एक भारत, श्रेष्ठ भारत का स्वप्न साकार किया। जूनागढ़ और हैदराबाद जैसी रियासतों को भी भारत का अभिन्न अंग बनाने में उनका योगदान अविस्मरणीय है।

उन्होंने कहा कि भाजपा उन सभी

क्रांतिकारियों को नमन करती है जिन्होंने देश की स्वतंत्रता और एकता के लिए अपना सर्वस्व अर्पित किया शहीद भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, रामप्रसाद बिस्मिल, चंद्रशेखर आज़ाद और अशफाक उल्ला खां जैसे वीरों के बलिदान को पार्टी सदैव स्मरण रखती है।

जिला प्रभारी प्रमोद गुप्ता ने बताया कि 31 अक्टूबर को सरदार पटेल जयंती के अवसर पर जिलेभर में तीन प्रमुख कार्यक्रम होंगे, 'रन फॉर यूनिटी' दौड़ का आयोजन, माल्यार्पण व पुष्पांजलि कार्यक्रम, गोष्ठी व सांस्कृतिक कार्यक्रम।

उन्होंने कहा कि हर स्कूल और कॉलेज में सरदार पटेल की जीवनी पर भाषण और निबंध प्रतियोगिताएं होंगी। वहीं, प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 8 किलोमीटर लंबी दौड़ आयोजित की जाएगी।

जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने कहा कि सरदार पटेल हर भारतीय के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता उनके विचारों को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लें।

एमएलसी श्रीचंद शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने कभी सरदार पटेल को वह सम्मान नहीं दिया जिसके वे हकदार थे, जबकि भाजपा उनके आदर्शों को जनआंदोलन बना रही है।

दादरी विधायक मास्टर तेजपाल नागर ने कहा कि दादरी विधानसभा में आयोजित होने वाली 'एकता दौड़' भव्य और ऐतिहासिक होगी।

जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने बताया कि जेवर विधानसभा क्षेत्र में 4 नवंबर को कार्यकर्ता और नागरिक तिरंगा लेकर एकता दौड़ में शामिल होंगे।

बैठक में प्रमुख रूप से जिला महामंत्री धर्मेन्द्र कोरी, दीपक भारद्वाज, मनोज गर्ग, जिला उपाध्यक्ष सुनील भाटी, सेवानंद शर्मा, देवा भाटी, मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य, वीरेन्द्र भाटी, संजय चेची, योगेन्द्र छोकर, विमल पुंडीर, अमित पंडित, रवि जिन्दल, विजय रावल सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

'मन की बात' कार्यक्रम : स्वदेशी संकल्प के साथ पीएम मोदी के विचारों से जुड़े कार्यकर्ता

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। इसी क्रम में रविवार को जिले के सभी 11,116 बूथों पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण किया गया। जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा बादलपुर मंडल के ग्राम सैनी स्थित बूथ संख्या 194 पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने उपस्थित नागरिकों से स्वदेशी संकल्प पत्र भरवाया और स्थानीय उत्पादों को अपनाने की शपथ दिलाई।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने आज के संबोधन में सरदार पटेल के जीवन से प्रेरणा लेने, 31 अक्टूबर को 'रन फॉर यूनिटी' में भाग लेने और पर्यावरण संरक्षण के लिए मैंग्रोव जैसे प्रयासों से सीखने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने छठ महापर्व को संस्कृति, प्रकृति और समाज की एकता का पर्व बताया।

इस मौके पर जिला महामंत्री मनोज गर्ग, दीपक भारद्वाज, धर्मेन्द्र कोरी, जिला उपाध्यक्ष देवा भाटी, सुनील भाटी, सतेन्द्र नागर, सेवानंद शर्मा, मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य, जिला मंत्री सत्यपाल शर्मा, गुरुदेव भाटी, मंडल अध्यक्ष मुकेश चौहान, संजय भाटी, अर्पित तिवारी, राजीव सिंघल, गोविंद सिंह सहित बड़ी संख्या में मंडल, बूथ अध्यक्ष और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

साहित्य चेतना समाज ने आयोजित किया सामान्य ज्ञान, निबंध और चित्रकला प्रतियोगिता

मिर्जापुर। साहित्य चेतना समाज की मीरजापुर इकाई के तत्वावधान में मीरजापुर नगर के भरुहना चौराहा स्थित विन्ध्यवासिनी महाविद्यालय में सामान्य ज्ञान,निबन्ध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। चार वर्गों में आयोजित इन प्रतियोगिताओं में कनिष्ठ वर्ग में कक्षा चार से छह, मध्यम वर्ग में कक्षा सात व आठ,ज्येष्ठ वर्ग में कक्षा नौ व दस एवं वरिष्ठ वर्ग में कक्षा ग्यारह व बारह में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इन प्रतियोगिताओं में नगर सहित सुदूर ग्रामीण अंचल के सैकड़ों विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिता प्रभारी कवयित्री व लेखिका सृष्टि राज ने बताया कि विंध्यवासिनी

महाविद्यालय के अध्यक्ष, साहित्यकार, ख्यातिलब्ध चिकित्सक डा.नीरज त्रिपाठी इन प्रतियोगिताओं के लिए परीक्षा नियंत्रक हैं। प्रतियोगिताओं को पूरी शुचिता एवं पारदर्शिता के साथ सकुशल व सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने हेतु प्रधान कार्यालय गाजीपुर से साहित्य चेतना समाज के संस्थापक अमरनाथ तिवारी और संगठन सचिव प्रभाकर त्रिपाठी पूरे समय परीक्षा केंद्र पर उपस्थित रहे।

डॉ. नीरज त्रिपाठी ने कहा कि बच्चों को साहित्य चेतना समाज भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करता है। साहित्य चेतना समाज की मिर्जापुर इकाई के प्रभारी आनन्द अमित, प्रतियोगिता प्रभारी सृष्टि राज सहित, आनन्द केशरी, केदारनाथ सविता, कुलभूषण पाठक, विजय कुमार श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, श्रीमती सारिका चौरसिया, श्रीमती नन्दिनी वर्मा, अनिल कुमार चौरसिया और मयंक ने परीक्षा को सुचारु रूप से सम्पन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

साहित्य चेतना समाज द्वारा मिर्जापुर में पिछले वर्ष 2024 में इन प्रतियोगिताओं के आयोजन का प्रारंभ किया गया था। इस वर्ष पिछले वर्ष की तुलना में दुगुना बच्चों ने प्रतिभाग किया। लगभग 20 विद्यालयों के डेढ़ सौ बच्चों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में चयनित बच्चों को भव्य समारोह में पुरस्कृत किया जायेगा।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को दिलाई गई शपथ

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। पूर्वाहन में सेक्टर बीटा-1 के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष को फ़ोनरवा के अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह टाइगर द्वारा सभी पद की समारोह में शपथ दिलाई गई।

आरडब्ल्यूए अध्यक्ष के पद पर ब्रह्मपाल, उपाध्यक्ष पद पर श्रीमती शबनम शर्मा, सचिव पद पर श्याम सुंदर भाटिया तथा कोषाध्यक्ष के पद पर विजय बैसोया मतदान के उपरांत विजयी घोषित किए गए थे समारोह की अध्यक्षता आरपीएस यादव द्वारा की गई। समारोह में सेक्टर के सेकड़ो आवासी शामिल हुए समारोह का

संचालन नीरज नागर द्वारा किया गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों द्वारा निष्ठापूर्वक तथा निष्पक्षता से सभी सेक्टर वासियो के सहयोग से सेक्टर में पानी, बिजली, सफ़ाई, पशु समस्या तथा सुरक्षा व्यवस्था आदि का आमूलचूल सुधार करने का वादा किया गया। मौजूदा सदस्यों द्वारा वितीय प्रबंधन की पारदर्शिता बनाये रखने हेतु सुझाव दिया गया। सभी सदस्यों के साथ मर्यादित व्यवहार करने का भी भरोसा दिया गया।

ग्रेटर नोएडा फैडरेशन ऑफ आरडब्लूए के अध्यक्ष देवेंद्र टाइगर द्वारा नये पदाधिकारियों को सेक्टर के विकास कार्यो में हर कदम पर अपेक्षित सहयोग का आश्वासन दिया गया।

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने रबूपुरा में मृतक अनिकेत के परिवार से की मुलाकात

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जिला कांग्रेस कमेटी गौतमबुद्ध नगर का एक प्रतिनिधिमंडल रविवार को रबूपुरा पहुंचा और मृतक अनिकेत जाटव के परिजनों से मुलाकात की। कांग्रेस नेताओं ने शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी और न्याय की लड़ाई में हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष दीपक भाटी 'चोटीवाला' ने बताया कि पूरे घटनाक्रम की जानकारी उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय को दे दी गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। न्याय मिलने तक कांग्रेस कार्यकर्ता परिवार के साथ संघर्षरत रहेंगे। दीपक भाटी ने यह भी बताया कि प्रदेश अध्यक्ष अजय राय जल्द ही

रबूपुरा आकर मृतक के परिजनों से मिलेंगे और उन्हें ढांढस बंधाएंगे।

प्रतिनिधिमंडल में प्रमुख रूप से जेवर ब्लॉक अध्यक्ष सूबेदार सतपाल सिंह, अनुसूचित जाति मोर्चा के चेयरमैन धर्म सिंह बाल्मीकि, जिला सेवादल मुख्य संगठक सतीश शर्मा, मंडल अध्यक्ष सुमित अत्तरी, जिला सचिव अमित कुमार, विजयपाल सिंह, मेहरचंद वाल्मीकि, जगदीश कुमार, तुषार सिंह, और नरेंद्र कुमार सहित कई कार्यकर्ता शामिल रहे। इसके अलावा धर्म सिंह जीनवाल (चेयरमैन एससी/एसटी), मेहरचंद वाल्मीकि (ब्लॉक अध्यक्ष, दादरी एससी/एसटी), नरेंद्र, जगदीश ठेकेदार और तुषार थापखेड़ा ने भी मृतक परिवार से मिलकर संवेदना व्यक्त की और पार्टी की ओर से हर मदद का भरोसा दिया।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया का गठन, दिनेश चंद्र शर्मा बने राष्ट्रीय अध्यक्ष

नई दिल्ली। देशभर के शिक्षकों के हितों की रक्षा और टेट अनिवार्यता के खिलाफ आवाज़ बुलंद करने के लिए टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया का कंस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में गठन किया गया।

बैठक में सर्वसम्मति से डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा को राष्ट्रीय अध्यक्ष, राममूर्ति सिंह (झारखंड) को राष्ट्रीय महासचिव, संजय सिंह को राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष, शिवशंकर पांडे को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष और राधे रमण त्रिपाठी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चुना गया। गौतमबुद्धनगर से मेघराज भाटी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि 21 नवंबर 2025 को दिल्ली के रामलीला मैदान में टेट अनिवार्यता के विरोध में एक विशाल महारैली आयोजित की जाएगी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा ने कहा कि आरटीई लागू होने से पहले नियुक्त अध्यापकों के लिए टेट अनिवार्य

करने का फैसला न्यायालय का अव्यावहारिक निर्णय है। उन्होंने कहा यह केवल अध्यापकों के भविष्य से नहीं, बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र से जुड़ा प्रश्न है। इस लड़ाई को अब देशव्यापी आंदोलन बनाना होगा। टीएफआई राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मेघराज भाटी ने कहा कि यह संघर्ष देश के हर शिक्षक का संघर्ष है, इसलिए लड़ाई भी राष्ट्रीय स्तर पर लड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि टीएफआई शिक्षकों की आवाज़ को एकजुट करने का मंच बनेगा।

दिल्ली में हुए इस कार्यक्रम में गौतमबुद्धनगर से लगभग 200 शिक्षक उपस्थित रहे। उपस्थित शिक्षकों ने मेघराज भाटी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाए जाने पर बधाई दी।

इस अवसर पर अशोक शर्मा (जिला संरक्षक), प्रवीण शर्मा (जिला अध्यक्ष), गजन भाटी (जिला मंत्री), बलराम नगर (वरिष्ठ उपाध्यक्ष), स्मिता सिंह (ब्लॉक अध्यक्ष बिसरख), मीना यादव (ब्लॉक मंत्री बिसरख), अरविंद शर्मा (जिला मीडिया प्रभारी), सरताज अहमद (उपाध्यक्ष बिसरख), सीमा तिवारी (वरिष्ठ उपाध्यक्ष बिसरख), मौ. असलम (जिला प्रचार मंत्री), सतीश पीलवान (ब्लॉक अध्यक्ष दनकौर), हेमराज शर्मा (ब्लॉक अध्यक्ष जेवर), विनोद ठाकुर (जिला संगठन मंत्री), रविन्द्र भाटी (ब्लॉक अध्यक्ष दादरी), अमर भाटी (जिला उपाध्यक्ष) सहित बड़ी संख्या में शिक्षकों ने हिस्सा लिया।

टीएफआई की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के गठन के बाद, दिल्ली से मुरादाबाद जाते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मेघराज भाटी, राष्ट्रीय महासचिव राममूर्ति सिंह और अन्य पदाधिकारियों का लाल कुआं, गाजियाबाद पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया।

स्वागत समारोह में जिला अध्यक्ष प्रवीण शर्मा, जिला मंत्री गजन भाटी, जिला संरक्षक अशोक शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष हेमराज शर्मा, रवि भाटी, सतीश नागर, अमर भाटी, अतुल उपाध्याय, अरविंद शर्मा, सतीश पीलवान सहित सैकड़ों शिक्षक मौजूद रहे।

जिला अध्यक्ष प्रवीण शर्मा ने कहा कि टीएफआई के बैनर तले 21 नवंबर की महारैली को सफल बनाने के लिए जनपद के प्रत्येक ब्लॉक और विद्यालय तक अभियान चलाया जाएगा। जिला मंत्री गजन भाटी ने कहा कि टेट की यह लड़ाई अब एक संगठन की नहीं, बल्कि भारत के हर शिक्षक की है और टीएफआई इसे लड़ेगा भी, जीतेगा भी।

रोहित शर्मा का जिगरी दोस्त अभिषेक नायर अब आईपील में बनेगा हेड कोच, केकेआर खेलने जा रहा बड़ा दांव

कोलकाता, अक्टूबर (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग के अगले सीजन के लिए सभी टीमों ने अपनी तैयारी तेज कर दी है, जिसके चलते कई बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं. इसमें 3 बार की आईपीएल चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स का नाम भी शामिल है. कुछ महीने पहले ही कोलकाता नाइट राइडर्स ने अपने हेड कोच चंद्रकांत पंडित के साथ अलग होने का फैसला लिया था. ऐसे में अब केकेआर के नए हेड कोच पर बड़ा अपडेट सामने आया है.

केकेआर का नया हेड कोच बनेगा ये दिग्गज

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2026 के लिए अभिषेक नायर को अपना हेड कोच बनाने की पूरी तैयारी कर ली है. इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अभिषेक नायर को पिछले हफ्ते फ्रैंचाइजी के इस फैसले के बारे में बता दिया गया है और जल्द ही इसका ऐलान होने की उम्मीद है. बता दें, अभिषेक नायर पिछले साल भी इसी टीम का हिस्सा थे. तब वह सपोर्ट स्टाफ के तौर पर टीम के साथ जुड़े थे.

अभिषेक नायर आने वाले सीजन में चंद्रकांत पंडित की जगह लेंगे, जिन्होंने 2022 में न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ब्रेंडन मैकुलम की जगह ली थी. चंद्रकांत पंडित 3 सीजन तक केकेआर के हेड कोच रहे. उनके नेतृत्व में 2024 में केकेआर ने सनराइजर्स हैदराबाद को हराकर तीसरा आईपीएल खिताब अपने नाम किया था. वह घरेलू क्रिकेट में छह रणजी ट्रॉफी खिताब जीतने वाले कोच के रूप में भी मशहूर हैं.

2024 में भी केकेआर का हिस्सा थे अभिषेक नायर

नायर 2024 में खिताब जीतने वाली कोलकाता के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा थे. वो असिस्टेंट कोच की भूमिका में कई सीजन से काम कर रहे हैं. लेकिन 2024 में वह बतौर असिस्टेंट कोच टीम इंडिया के साथ जुड़ गए थे. जिसके चलते उन्हें केकेआर से अलग होना पड़ा था. मगर 10 महीने से भी कम समय में उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया था. जिसके चलते वह एक बार फिर केकेआर की टीम में लौट आए थे.

अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप

हंसिका, सारिका को रजत से करना पड़ा संतोष

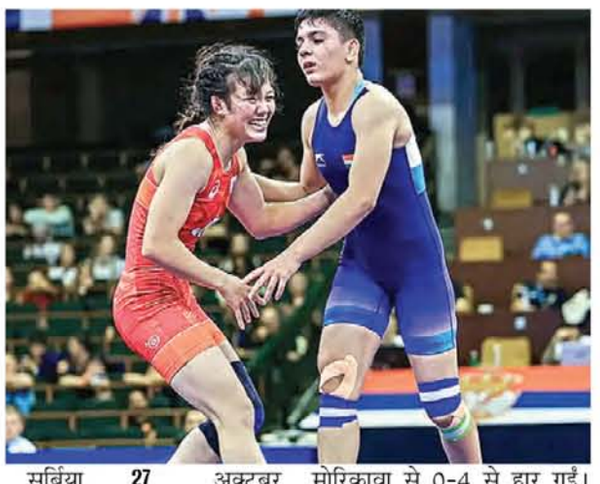

सर्बिया, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत की महिला मुक्केबाज हंसिका लांबा और सारिका मलिक को अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के फाइनल में हार मिली जिससे उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। हंसिका 53 किग्रा वर्ग के खिताबी मुकाबले में जापान की हारुना मोरिकावा से 0-4 से हार गईं। पिछले साल की एशियाई अंडर-20 रजत पदक विजेता सारिका 2024 अंडर-23 विश्व रजत पदक विजेता रुका नतामी से रोमांचक मुकाबले में 1-2 से हार गईं।

भारत ने इस प्रकार महिला वर्ग में अपने अभियान का अंत सात पदकों के साथ किया। निशु (55 किग्रा), नेहा शर्मा (57 किग्रा), पुलकित (65 किग्रा), सृष्टि (68 किग्रा) और प्रिया मलिक (76 किग्रा) ने टूर्नामेंट में पहले ही कांस्य पदक जीते थे। सविता (62 किग्रा), हन्नी कुमारी (50 किग्रा), दीक्षा मलिक (72 किग्रा) का अभियान पदक दौर से पहले ही खत्म हो गया था।

पुरुषों की फ्रीस्टाइल स्पर्धा में प्रविंदर (74 किग्रा) कांस्य पदक के प्लेऑफ में जापान के योशिनोसुके आओयागी से 2-8 से हार गए। सुमित मलिक (57 किग्रा), नवीन कुमार (70 किग्रा), चंद्र मोहन (79 किग्रा) दिन में पहले ही बाहर हो गए थे, जबकि सचिन (92 किग्रा) शुक्रवार को ही बाहर हो गए थे। सुजीत कलकल 65 किग्रा भार वर्ग में अगले दो दिनों में भारत के लिए स्वर्ण पदक के लिए सबसे बड़ी उम्मीद होंगे।

कनाडा ओपन स्क्वाश के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं अनाहत

स्विट्जरलैंड की मेरलो को हराया

टोरंटो, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन और भारत की स्टार स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने शानदार खेल का नजारा पेश करते हुए पीएसए सिल्वर प्रतियोगिता कनाडा महिला ओपन स्क्वाश टूर्नामेंट के अंतिम 16 में जगह बनाई। विश्व रैंकिंग में 43वें स्थान पर काबिज़ दिल्ली की इस युवा खिलाड़ी ने पहले दौर में स्विट्जरलैंड की सिंडी मेरलो को 17 मिनट में 11-3, 11-3, 11-4 से हराया।

अनाहत का अगला मुकाबला दुनिया की 20वें नंबर की खिलाड़ी और छठी वरीयता प्राप्त मेलिसा अल्वेस से होगा।

कोग्नीवेरा इंटरनेशनल पोलो कप 2025: रोमांचक मुकाबले में

भारत ने अर्जेंटीना को हराकर जीता खिताब

जयपुर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। कोग्नीवेरा इंटरनेशनल पोलो कप के फ़ाइनल में टीम इंडिया ने पोलो की दुनिया की सबसे बेहतरीन टीमों से एक अर्जेंटीना को एक रोमांचक मुकाबले में 10-9 से हरा दिया. इस दौरान दोनों टीमों के बीच जबरदस्त मुकाबला देखने को मिला.

भारतीय टीम ने किया शानदार प्रदर्शन

जयपुर पोलो ग्राउंड पर खेले गए इस फाइनल मुकाबले में गेंद की रफ्तार और खिलाड़ियों की फुर्ती देखने लायक थी. ये मुकाबला केवल एक खेल नहीं, बल्कि जुनून, ताक़त और बेहतरीन साझेदारी का प्रतीक बन गया.

सिमरन सिंह शेरगिल की कप्तानी में भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन किया.

वहीं टीम के स्टार खिलाड़ी सवाई पद्मनाभ सिंह के सटीक स्ट्रोक्स और शानदार रणनीति ने अर्जेंटीना को कहीं टिकने ही नहीं दिया. जीत के बाद भारतीय कप्तान ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि मेहमान टीम के खिलाफ जीतना हमारे लिए एक अविश्वसनीय पल है. हर खिलाड़ी ने शानदार खेल दिखाया. ये भारतीय पोलो के लिए गर्व का दिन है.

आयोजकों ने क्या कहा?

मैच के आयोजक कोग्नीवेरा आईटी सॉल्यूशंस के सीईओ और एमडी कमलेश शर्मा ने कहा कि पोलो शालीनता, धैर्य और वैश्विक मित्रता का प्रतीक है. कोग्नीवेरा इंटरनेशनल पोलो कप में भारत की जीत की मेजबानी और साक्षी बनना वाकई काफी खास रहा है. हमें खुशी है कि ये खेल संस्कृतियों को जोड़ता है. इस शानदार मुकाबले को देखने के लिए हजारों लोग मौजूद थे.

केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए.

उनके साथ केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू, सांसद नवीन जिंदल और मशहूर कवि डॉ. कुमार विश्वास आदि इस दौरान मौजद रहे. पोलो के इस महाकुंभ में भारतीय टीम ने दिखा दिया कि वो किसी से कम नहीं हैं.

भाजपाइयों ने सुनी प्रधानमंत्री के 'मन की बात'

भदोही (चेतना मंच)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा 127 वा एपिसोड के संदर्भ में 'मन की बात' के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संवाद किया। उसी के उपलक्ष में जनपद भदोही में भी सुना गया।

दीपक मिश्रा जिला अध्यक्ष भाजपा बूथ संख्या 271/27 पर पूरे मुड़िया में सुना और उपस्थित रहे। जनपद में टोटल बूथ संख्या 1256 है और 256 शक्ति केंद्रों पर 'मन की बात' को सुना गया।

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की 146 करोड़ जनता को मन की बात के जरिए संवाद किया और एक दूसरे का हाल-चाल लिया। हमारे देश के ऐसे पहले प्रधानमंत्री है जो हर महीने के लास्ट में सीधे लाइव टेलीकास्ट के माध्यम से संवाद करते हैं और एक दूसरे की पीड़ा को सुनते हैं और समझते हैं उसी के उपलक्ष में जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा जनपद के तमाम कार्यकर्ताओं के साथ उपस्थित होकर मन की बात को सुना और संदेश दिया कि आप सब लोग भी सुने और संवाद को ग्रहण करें और इसकी प्रेरणा भी ले।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा कार्यक्रम संयोजक मनीष पांडेय कमलेश तिवारी चंदन पांडेय अखिलेश तिवारी अखिलेश राय शिवम राय शंभूनाथ राय शिवम राय उत्कर्ष बिंद और भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अखबार विकेता व महिला की सड़क हादसे में मौत

नोएडा (चेतना मंच)। लापरवाह वाहन चालकों की लापरवाही आम लोगों की जिंदगी पर भारी पड़ रही है। आए दिन वाहन चालकों की लापरवाही की वजह से लोगों की सड़क हादसों में जान जा रही है। अलग-अलग स्थान पर हुई दो दुर्घटनाओं में एक हॉकर (अखबार विक्रेता) तथा महिला की मौत हो गई।

खोड़ा कॉलोनी अनिल विहार निवासी मायाराम घरों में अखबार डालने का काम करते थे। 26 अक्टूबर की सुबह वह अपनी साइकिल से अखबार डालने के लिए निकले थे। सेक्टर-57 पुलिस चौकी रेड लाइट के पास किसी अज्ञात वाहन ने उनके साइकिल में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मायाराम की मौके पर ही मौत हो गई हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया इस संबंध में मृतक के भाई मोहन सिंह ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ थाना सेक्टर 24 में मुकदमा दर्ज कराया है थाना प्रभारी सुबोध कुमार का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरा की फुटेज खंगाल कर दुर्घटना के आरोपी वाहन चालक का पता लगाने का प्रयास कर रही है। वहीं थाना जेवर क्षेत्र के यमुना एक्सप्रेसवे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत हो गई।

लाल कुआं नई दिल्ली निवासी अनुज कुमार 15 अक्टूबर की सुबह अपनी पत्नी सरस्वती देवी वह दो बेटी रिया और लवी के साथ बाइक पर सवार होकर बदरपुर से फिरोजाबाद जा रहे थे। यमुना एक्सप्रेसवे पर अज्ञात वाहन ने पीछे से उनकी बाइक में टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार सभी लोग घायल हो गए। हादसे की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। उपचार के दौरान सरस्वती देवी की मौत हो गई। इस संबंध में अनुज कुमार ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ थाना जेवर में मुकदमा दर्ज कराया है।

दो झपटमार गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-58 पुलिस ने दो झपटमारों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से दो मोबाइल फोन बरामद हुए हैं।

थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि पुलिस टीम अग्रवाल चौराहे पर चेकिंग कर रही थी। इस दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि दो संदिग्ध व्यक्ति जुबिलेंट पार्क बी ब्लॉक सेक्टर-58 में बैठे हुए हैं। दोनों युवक मोबाइल स्नेचिंग का काम करते हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम पार्क में पहुंची और दोनों को दबोच लिया। इनके पास से दो मोबाइल फोन बरामद हुए।

पूछताछ में हिरासत में लिए गए युवकों ने अपने नाम राजेश पुत्र रामकुमार तथा अजय पुत्र राजकिशोर बताये।

दोनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि वह मोबाइल स्नेचिंग की घटनाओं को अंजाम देते हैं। उन्होंने दो माह पहले अग्रवाल चौराहे के पास भी ब्लॉक सेक्टर-57 में एक व्यक्ति से मोबाइल फोन छीना था। बरामद मोबाइल के बारे में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने यह मोबाइल फोन एनसीआर क्षेत्र से छीने थे। पकड़े गए दोनों आरोपियों ने मोबाइल झपटमारी की कई घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है।

पूजा कर लौट रहे युवक पर जानलेवा हमला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सूरजपुर स्थित बाराही मंदिर से पूजा कर वापस घर लौट रहे एक युवक के साथ तीन लोगों ने मारपीट की। विरोध करने पर बदमाशों ने युवक पर धारदार हथियार से वार कर उसे घायल कर दिया। पीड़ित ने तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ थाना सूरजपुर में मुकदमा दर्ज कराया है।

मोहल्ला हर प्रसाद कॉलोनी कस्बा सूरजपुर निवासी देव पंडित उर्फ देवेंद्र शर्मा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 24 अक्टूबर की रात्रि को वह बाराही मंदिर से पूजा-पाठ कर वापस अपने घर जा रहा था। रास्ते में आरती स्टील के खाली ग्राउंड में खड़े तीन व्यक्तियों ने उसे रोक लिया और गाली गलौज करने लगे। उसने जब गाली-गलौज का विरोध किया तो तीनों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान एक युवक ने धारदार हथियार से उसके पेट पर वार कर उसे घायल कर दिया। मारपीट करने के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए।

पीड़ित के मुताबिक वह अपने परिजनों के साथ अस्पताल पहुंचा और उपचार कराय। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हमलावर युवकों की पहचान का प्रयास कर रही है।

पृष्ठ एक के शेष....

सरकारी जमीनों...

इस पर मुख्यमंत्री ने तत्काल उन्हें कार्यक्रम दिलाने का आदेश दिया। मुख्यमंत्री बोले कि सरकार हर जनपद में लोककलाओं को प्राथमिकता दे रही है। हर जगह अनेक आयोजन भी कराए जाते हैं। इसमें पंजीकृत व अधिक से अधिक स्थानीय कलाकारों को मौका मिले।

इस दौरान पुलिस से जुड़े मामले भी आये। कई लोगों ने पारिवारिक मामले को लेकर भी मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी शिकायत रखी। पुलिस से जुड़े मामलों पर मुख्यमंत्री ने इसे दिखवाने और पीड़ितों की समस्या के समाधान कराने का निर्देश दिया।

'देश की विदेशों...

यह भी पूछा कि दिल्ली सरकार ने एफिडेविट क्यों फाइल नहीं किया है।

जस्टिस नाथ ने कहा, "NCT ने एफिडेविट फाइल क्यों नहीं किया? चीफ सेक्रेटरी को एक्सप्लेनेशन देना होगा। नहीं तो कॉस्ट लगाई जा सकती है और सख्त कदम उठाए जाएंगे। सभी राज्यों/UTs को नोटिस जारी किए गए थे। आपके ऑफिसर अखबार या सोशल मीडिया नहीं पढ़ते? सभी ने इसकी रिपोर्ट की है। जब उन्हें पता चलेगा, तो उन्हें आगे आना चाहिए! सभी चीफ सेक्रेटरी 3 नवंबर को मौजूद रहें, नहीं तो हम कोर्ट ऑडिटोरियम में करेंगे।'

मामूली झगड़े में...

चाकू लगने से राजन शाह लहू लुहान होकर जमीन पर गिर गया। घटना की जानकारी मिलने पर राजन शाह का भाई मौके पर पहुंचा और उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। उपचार के दौरान राजन शाह ने दम तोड़ दिया।

नोएडा जोन के एडीसीपी सुमित शुक्ला ने बताया कि मृतक के भाई की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी सुरेश को हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने इसके पास से घटना में प्रयुक्त चाकू भी बरामद किया है। शव का पोस्टमार्टम कराकर उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।

शातिर स्नेचर...

दिन पहले सेक्टर-22 से चोरी की थी। चोरी की इस बाइक पर सवार होकर में झपटमारी की घटनाओं को अंजाम देता था। लकी ने सितंबर माह में सेक्टर-20 बिजली घर के पास से मोबाइल फोन छीनने की घटना को अंजाम देना भी स्वीकार किया।

थाना प्रभारी के मुताबिक पकड़े गए आरोपी ने झपटमारी की कई घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया है।

जान से मारने...

मुन्ना आदि उस पर दवाब बना रहे हैं। उसने जो समझौता करने से इंकार कर दिया तो आरोपियों ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित का कहना है कि आरोपी अक्सर उसके साथ गाली गलौज करते हैं। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

बकाया रकम अदा...

कुल बकाया में से 25 प्रतिशत राशि जमा की है, वह आगे किस्ते नहीं दे रहे, जबकि 100 करोड़ रुपये तक के बकायेदार को एक साल में पूरी राशि जमा करनी थी। इनके अलावा 12 परियोजना के बिल्डरों ने कुछ-कुछ बकाया राशि जमा की है। इसके अलावा करीब 10 परियोजना के बिल्डरों ने कोई बकाया जमा नहीं किया। इन 57 परियोजना के बिल्डरों पर प्राधिकरण के करीब नौ हजार करोड़ रुपये बकाया हैं। इस महीने हुई बोर्ड बैठक में प्राधिकरण के चेयरमैन दीपक कुमार ने आदेश दिया था कि बिल्डरों को बकाया जमा करने के लिए 31 अक्टूबर तक का अंतिम समय दिया जाए। अगर इस दौरान भी बिल्डर बकाया जमा नहीं करते हैं तो उनको दिया राहत पैकेज समाप्त कर दिया जाए। प्राधिकरण ने राहत पैकेज के अंतर्गत कोविड काल के दौरान दो साल का जीरो पीरियड और एनजीटी के आदेश के तहत अलग भी जीरो पीरियड का लाभ दे रखा है।

ऑटो में सवारी को...

दर्ज कराई गई थी जिसमें ई-ऑटो रिक्शा में हथियार दिखाकर एक महिला से सोने के कंगन, चूड़ी व सोने की चेन व मोबाइल फोन छीन लिया गया था। इस मामले में पुलिस ने आज सुबह जल प्लांट रोड पर मुखबिर की सूचना पर कुछ बदमाशों को घेरा। बदमाश रिछपाल गढ़ी की पुलिस के पास नीले रंग के ई-ऑटो में खड़े हुए थे। पुलिस को देखकर बदमाश ई-ऑटो से भागने लगे। पुलिस ने जब बदमाशों को घेर लिया तो बदमाशों ने पुलसि पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्यवाही में इरफान गाजी पुत्र इस्लामुददीन, सादाब पुत्र अयूब निवासी डासना गोली लगने से घायल हो गए। जबकि पुलिस ने गिरोह में अमन गर्ग पुत्र शिवकुमार तथा नाजिम खान पुत्र इस्लाम को घेरकर पकड़ लिया।

गिरफ्तार बदमाशों ने बताया कि ऑटो में वह सवारी बनकर बैठते थे और उम्र दराज महिलाओं को तमंचे का डर दिखाकर उनसे लूटपाट करते थे।

मकान का ताला तोड़कर चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-49 क्षेत्र के बरौला के चौहान कॉलोनी में चोरों ने एक मकान का ताला तोड़कर जेवरात नगदी व अन्य सामान चोरी कर लिया। घटना के समय गृह स्वामी परिवार सहित अपने ससुराल गया था। बरौला की चौहान कॉलोनी में रहने वाले सतीश गोयल ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 23 अक्टूबर की रात्रि को वह किसी कार्य से हरियाणा के जींद स्थित अपनी ससुराल गए थे दो दिन बाद जब वह घर लौटे तो उन्हें ताला टूटा हुआ मिला और घर का सारा सामान बिखरा पड़ा हुआ था। चोर उनके घर से जेवरात, नगदी व अन्य सामान को चोरी कर ले गए थे। थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर दिया गया है और मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

सफल करियर को गढ़ने के लिए अपनाएं ये सुझाव

दुनिया भर में शायद ही ऐसा कोई व्यक्ति होगा जो सफल करियर नहीं चाहता होगा। अगर आप भी बेहतर करियर निर्माण के बारे में सोच रहे हैं तो उसके लिए आपको कुछ बुनियादी चीजों को ध्यान में रखकर आगे बढ़ना होगा। हम यहां करियर से रिलेटेड कुछ टिप्स दे रहे हैं जिनको फॉलो करके आप अवश्य ही बेहतर बनने की ओर आगे बढ़ सकते हैं।

हर कोई अपना भविष्य सुरक्षित और बेहतर बनाना चाहते हैं लेकिन उसमें से कुछ ही लोग कड़ी मेहनत करके जो पाना चाहते हैं वह प्राप्त करते हैं वहीं कुछ लोग सिर्फ चीजों को सोचने के बाद ही छोड़ देते हैं जिसके चलते वे अपने करियर में वह मुकाम हासिल नहीं कर पाते हैं जो वह चाहते हैं।

अगर अपने भी अपने करियर को लेकर सपने देखे हैं और अपने भविष्य में कुछ स्पेशल करना चाहते हैं तो उसके लिए जरूरी है सही रणनीति और एक लक्ष्य

बनाकर उस पर कड़ी मेहनत करना। हम यहां सफल करियर का निर्माण करने के लिए कुछ सुझाव यहां प्रदान कर रहे हैं जिनको पढ़कर और उस पर अमल कर सकते हैं, इससे अवश्य ही आप सफलता की ओर एक कदम आगे बढ़ाएंगे।

लक्ष्य को करें निर्धारित

किसी भी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए उसके लिए एक क्लियर गोल को निर्धारित कर लें और पूर्ण रूप से उसके ऊपर अमल करके उस ओर बढ़ें। अगर आपके पास एक लक्ष्य होगा तो जाहिर होगा की आप एक दिशा की ओर बिना भटके बढ़ सकते हैं।

टाइम टेबल बनाकर समय निर्धारित करें

किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सबसे जरूरी है उस पर डटकर काम करना। इसलिए लक्ष्य निर्धारित करने के बाद आप उस पर काम करने के लिए एक टाइम टेबल निर्धारित करें और उसी अनुसार लगातार उसको टाइम दें। इससे आप कम समय में सही समय पर काम करके आगे बढ़ सकते हैं।

अपनी कमियों और खूबियों को समझें

आप जिस क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं उसको लेकर सजगता से आगे बढ़ें और काम करते हुए अपनी खूबियों और कमियों को समझें। जिस क्षेत्र में आप अच्छा कर रहे हैं उस पर लगातार ध्यान रखें जिससे आप उसमें और भी बेहतर कर सकें। इसके अलावा आप जिस क्षेत्र में कमी महसूस कर रहे हैं उस पर अधिक समय देकर उसको अच्छा बनाने का प्रयास करें। इससे आप लगातार बेहतर से बेहतरीन की ओर अग्रसर होते जाएंगे।

भारत में 2030 तक होगी 1 लाख कंपनी सेक्रेटरी की जरूरत

तेज आर्थिक वृद्धि और कंपनी संचालन पर बढ़ते जोर के बीच भारत को 2030 तक लगभग एक लाख कंपनी सचिवों की आवश्यकता होगी। कंपनी सचिवों का शीर्ष निकाय आईसीएसआई ने यह कहा है। वर्तमान में, 73,000 से अधिक कंपनी सचिव हैं और इनमें से लगभग 12,000 कंपनी सचिव कार्यरत हैं। कंपनी सचिव कंपनियों में विभिन्न सांविधिक जरूरतों का अनुपालन सुनिश्चित कर कॉरपोरेट संचालन ढांचे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

2030 तक 1 लाख कंपनी सचिवों की जरूरत

भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (ICSI) के अध्यक्ष बी नरसिम्हन ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को देखने के नजरिये में महत्वपूर्ण बदलाव

आया है और कंपनी सचिव भारत को दुनिया के सबसे पसंदीदा निवेश स्थलों में से एक बनाने में एक महत्वपूर्ण कड़ी बन गये हैं। उन्होंने हाल ही में पीटीआई-भाषा से बातचीत के दौरान कहा कि भारत को 2030 तक लगभग एक लाख कंपनी सचिवों की आवश्यकता होगी।

2030 तक 7,000 अरब डॉलर की होगी अर्थव्यवस्था

आईसीएसआई हर साल औसतन 2,500 से अधिक लोगों को सदस्यता देता है। विभिन्न अनुमानों के अनुसार भारत के 2030 तक 7,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद है। वित्त मंत्रालय की इस साल जनवरी में जारी रिपोर्ट में कहा गया था, ''वित्तीय क्षेत्र और हाल के तथा भविष्य के संरचनात्मक सुधारों के दम पर आने वाले वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर सात प्रतिशत से ऊपर रहेगी। मुद्रास्फीति रुख और विनिमय दर के आधार पर, भारत अगले छह से सात साल में (2030 तक) 7,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है।'' संस्थान ने पेशे में अधिक युवा प्रतिभाओं को आकर्षित करने के लिए कंपनी सचिव कार्यकारी कार्यक्रम में स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों का सीधा पंजीकरण भी शुरू किया है। आईसीएसआई ने अन्य उपायों के अलावा कॉरपोरेट निदेशक मंडल में अपनाई जाने वाली सचिव स्तर की गतिविधियों में एकरूपता लाने के लिए मानक पेश किये हैं।

एच-1बी वीज़ा पॉलिसी ने धुंधला किया 'अमेरिकन ड्रीम', अब इन देशों में पढ़ने जा रहे भारतीय छात्र

अमेरिका में एच-1बी वीजा फीस में भारी इजाफा और स्टडी प्रोग्राम्स को लेकर बढ़ती अनिश्चतता से 'अमेरिकन ड्रीम' धुंधला पड़ने लगा है. बेंगलुरु के कई कॉलेजों ने अमेरिकी यूनिवर्सिटीज के साथ हुए समझौते

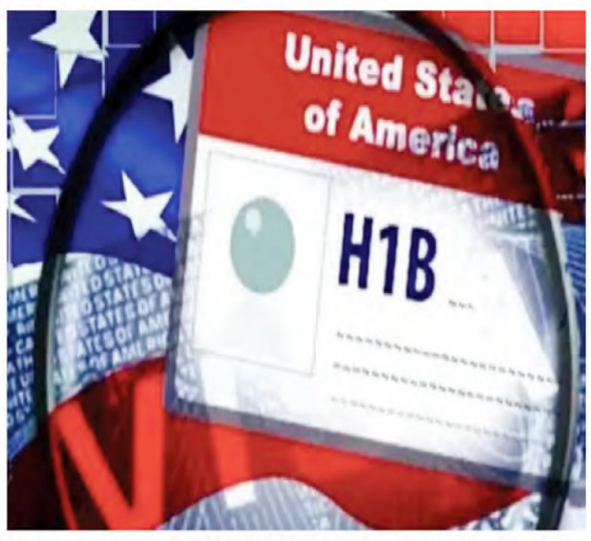

और स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम फिलहाल रोक दिए हैं. अमेरिका में रुचि घटने के साथ अब कॉलेज अपने पाठ्यक्रमों को भी वैश्विक मानकों के अनुरूप ढाल रहे हैं. साथ ही छात्रों को ब्रिटेन, फ्रांस और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों की ओर जाने की सलाह दे रहे हैं. कई छात्रों ने विदेश में पढ़ने की अपनी योजनाओं पर पुनर्विचार शुरू कर दिया है.

बता दें कि सितंबर के आखिरी हफ्ते में ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी वीज़ा नीति में बड़े सुधारों की घोषणा की थी, जिसमें $100,000 (करीब 83 लाख) की अनिवार्य फ़ाइलिंग फ़ीस भी शामिल है. इसके चलते कई यूनिवर्सिटीज ने अपने अमेरिकी संस्थानों से जुड़ी साझेदारियों को रोक दिया है.

अमेरिका अब नहीं रहा सबसे आकर्षक विकल्प

रिपोर्ट के अनुसार, सीएमआर यूनिवर्सिटी के एकेडमिक डीन सुधीर के राउत्रे ने बताया, "हमने दो अमेरिकी विश्वविद्यालयों के साथ समझौते किए थे, लेकिन अब उन्हें रोकना पड़ा है. वीज़ा प्रक्रिया की जटिलता और बढ़ती लागत के कारण अमेरिका में पढ़ाई अब मध्यमवर्गीय छात्रों के लिए पहले जैसी संभव नहीं रही. पहले जहाँ अमेरिका को शोध और exposure के लिए सबसे बेहतरीन माना जाता था, अब छात्र फ्रांस, जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों की ओर मुड़ रहे हैं, जहाँ पढ़ाई के बाद काम के अवसर ज़्यादा स्पष्ट हैं." उन्होंने बताया कि इस साल 1,000 प्रबंधन छात्रों में से 100 छात्रों ने सिंगापुर, थाईलैंड और मलेशिया में एक्सचेंज प्रोग्राम चुना. कोई भी अमेरिका नहीं गया.

गार्डन सिटी यूनिवर्सिटी के स्ट्रैटेजी एंड प्लानिंग डायरेक्टर क्रिस्टो जोसेफ का कहना है कि उनके पास अमेरिका के फ्लोरिडा और न्यूयार्क की यूनिवर्सिटीज से एक्सचेंज प्रोग्राम फिलहाल रुके हुए हैं, जब तक वीजा प्रक्रिया स्पष्ट नहीं हो जाती. छात्र वीज़ा आधिकारिक रूप से बंद नहीं हैं, लेकिन कागज़ी प्रक्रिया मुश्किल हो गई है और खर्च बढ़ गया है. कुल मिलाकर H-1B और पढ़ाई का खर्च अब 40–50 लाख तक पहुँच गया है.

उन्होंने कहा कि छात्र अब यूके, फ्रांस, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, और यहां तक कि सिंगापुर व मलेशिया को भी विकल्प के रूप में देख रहे हैं. उन्होंने कहा कि हम छात्रों को सलाह देते हैं कि केवल 'हाइप' पर न जाएं, बल्कि करियर और आर्थिक रूप से वास्तविक फायदे पर ध्यान दें.

विदेश जाने वाले इंजीनियरिंग छात्रों की संख्या घटी

पीईएस यूनिवर्सिटी के एक अधिकारी ने बताया कि इस साल 100 से भी कम इंजीनियरिंग छात्रों ने विदेश पढ़ाई के लिए आवेदन किया है. एच-1बी वीज़ा की अनिश्चितता इसका मुख्य कारण है. कुछ छात्रों को अमेरिका में प्रवेश मिला है, लेकिन कई ने बढ़ते खर्च और अनिश्चित माहौल के कारण पढ़ाई अगले सत्र तक टाल दी है.

आरवी कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग के प्रिंसिपल के.एन. सुब्रमण्या ने जोड़ा, "कई छात्र अब यह भी सुनिश्चित नहीं कर पा रहे कि एडमिशन मिलने के बाद उन्हें वीज़ा मिलेगा या नहीं. कुछ ने अपने प्लान जनवरी तक टाल दिए हैं, तो कुछ ने नौकरियाँ चुन ली हैं. इस साल सिफारिश पत्रों (LORs) की माँग भी 5% से कम रही."

मनोविज्ञान के क्षेत्र में बनाएं करियर इन कोर्स से मिलेंगे खास अवसर

मनोविज्ञान एक ऐसा क्षेत्र है , जिसमें हर उम्र के लोगों के लिए करियर की अपार संभावनाएं हैं . इसमें विशेषज्ञता हासिल करके आप लोगों का मन और व्यवहार समझ सकते हैं. इसमें मानव मन और मस्तिष्क से जुड़ी कई चीजों का अध्ययन किया जाता है . मस्तिष्क तनाव में कैसे काम करता है, यह कोई भाषा कैसे सीखता है, तथ्यों को कैसे याद रखता है या किसी भी तरह की मानसिक बीमारी इसके काम करने के तरीके को कैसे प्रभावित कर सकती है जैसी चीजें इसमें प्रमुखता से शामिल हैं.

इस सेक्टर में विशेषज्ञता और रुचि के आधार पर करियर बनाने के कई विकल्प मौजूद हैं . मनोविज्ञान का कोर्स करने के बाद पब्लिक और प्राइवेट हेल्थ केयर, एजुकेशन, स्पोर्ट्स, सोशल वर्क, थेरेपी एंड काउंसलिंग जैसे कई सेक्टर में करियर बनाया जा सकता है . इसके अलावा मीडिया और अन्य क्रिएटिव फील्ड में भी मनोविज्ञान स्नातकों के लिए कई ऑप्शन हैं.

मनोविज्ञान में करियर ऑप्शन

मनोविज्ञान का क्षेत्र काफी विस्तृत है . इसमें करियर बनाने के लिए आपको अपने हुनर और योग्यता के साथ ही अपने पैशन को भी समझना होगा . आपको पता होना चाहिए कि आप इसमें

करियर बनाने के बाद खुद को कहां देखते हैं. उसी हिसाब से सही कोर्स चुनने में मदद मिल सकेगी .

चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक

चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक के तौर पर व्यावसायिक मनोविज्ञान, शैक्षिक मनोविज्ञान, खेल और मानसिक स्वास्थ्य जैसे कई क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल की जा सकती है. इसमें हर तरह के लोगों के साथ मनोचिकित्सक बनना चाहते हैं तो इसके लिए मेडिकल डिग्री हासिल करने की जरूरत होगी.

मनोचिकित्सक

मनोचिकित्सक के तौर पर व्यक्तियों, जोड़ों, समूहों या परिवारों के साथ काम करना पड़ता है. ये क्लाइंट्स को भावनात्मक और रिश्ते से संबंधित मुद्दों सहित मनोवैज्ञानिक परेशानियों को दूर करने में मदद करते हैं.

समाज सेवा का भी है अवसर

सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर ऐसे लोगों की स्थितियों में सुधार लाने के लिए काम करना होगा, जो अपने जीवन में कठिन दौर से गुजर रहे हैं. इसमें क्लाइंट के तौर पर बच्चे, बुजुर्ग, अपराधी, विकलांग, दुर्व्यवहार का शिकार लोग तक शामिल हो सकते हैं. सामाजिक कार्यकर्ता स्कूलों, घरों, अस्पतालों या अन्य सार्वजनिक एजेंसियों में काम कर सकते हैं.

मीडिया और विज्ञापन में करियर

मनोविज्ञान डिग्री होल्डर के लिए मीडिया में भी करियर का विकल्प है. मनोविज्ञान में स्नातक करने वाले लोग मानव व्यवहार को लेकर कंपनी के लिए कई महत्वपूर्ण बातें बता सकते हैं.

साथ ही समस्याओं का विश्लेषण करने, ध्यान से सुनने, प्रतिक्रिया देने और सहानुभूति के साथ कार्य करने की क्षमता प्रदान कर सकते हैं. इस वजह से प्रबंधन, उत्पादन, शेड्यूलिंग और लेखन सहित सभी विभागों में मनोविज्ञान स्नातकों की मांग होती है.

विंटर वैकेशन में करें साइबर क्राइम इंटर्नशिप, गृह मंत्रालय दे रहा अवसर

गृह मंत्रालय ने अपने भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C) के माध्यम से विंटर इंटर्नशिप प्रोग्राम 2025 की घोषणा की है. यह कार्यक्रम उन स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए एक शानदार अवसर है जो साइबर सिक्योरिटी और डिजिटल फॉरेंसिक जैसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में करियर बनाना चाहते हैं.

इस इंटर्नशिप का उद्देश्य युवाओं को साइबर अपराध की रोकथाम, साइबर जांच तकनीकों और डिजिटल डेटा एनालिसिस के क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है, ताकि वे भविष्य में भारत की डिजिटल सुरक्षा को और मजबूत बना सकें.

बढ़ गई आवेदन की लास्ट डेट

विंटर इंटर्नशिप प्रोग्राम 2025 के लिए आवेदन की अंतिम तिथि अब 31 अक्टूबर है. पहले इसकी अंतिम तिथि 17 अक्टूबर थी. इच्छुक उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे समय पर आवेदन करें और सभी आवश्यक दस्तावेज़ निर्धारित प्रारूप में अपलोड करें. आवेदन प्रक्रिया के दौरान मांगे गए सभी दस्तावेजों की पूरी तरह से जांच की जाएगी. चयन केवल उन्हीं उम्मीदवारों का किया जाएगा जिनके दस्तावेज़ संपूर्ण और सत्यापित पाए जाएंगे.

यह इंटर्नशिप न केवल छात्रों को साइबर सुरक्षा के व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराएगी, बल्कि उन्हें भारत सरकार के प्रमुख डिजिटल मिशनों से भी जोड़ने का अवसर देगी. प्रतिभागियों को रियल-टाइम साइबर केस स्टडीज़, डेटा रिकवरी तकनीक, और साइबर जांच उपकरणों के उपयोग का प्रशिक्षण दिया जाएगा.

कैसे करें इंटर्नशिप के लिए आवेदन

सबसे पहले वेबसाइट www.i4c.mha.gov.in पर जाएं.

अब "What's New" पर जाएं.

इंटर्नशिप SOP के साथ अप्लीकेशन फॉर्म और अंडरटेकिंग डाउनलोड करें.

इंटर्नशिप के लिए जरूरी योग्यता आदि जाचें

अब गूगल फॉर्म लिंक https://shorturl.at/gxRQa पर जाकर फॉर्म भरें.

सरकारी मेडिकल कॉलेज में एडमिशन के लिए नीट में कितने अंक होने चाहिए? एमबीबीएस से पहले समझें हिसाब-किताब

नीट यूजी की तैयारी कर रहे लाखों युवाओं का लक्ष्य सरकारी मेडिकल कॉलेज में सीट हासिल करना होता है. लेकिन यह आसान नहीं है. सरकारी कॉलेज में एमबीबीएस की कम फीस में हाई क्वॉलिटी एजुकेशन मिलने की वजह से सीट हासिल करने के लिए कॉम्पिटीशन का लेवल काफी कठिन रहता है. अगर आप नीट की तैयारी कर रहे हैं तो आपको पता होना चाहिए कि सरकारी कॉलेज में एडमिशन के लिए कटऑफ अंक निश्चित नहीं होते हैं. ये हर साल कई फैक्टर्स के आधार पर बदलते रहते हैं.

नीट यूजी कटऑफ ऑल इंडिया कोटा और स्टेट कोटा की सीटों के लिए अलग-अलग निर्धारित होता है. यह उम्मीदवार की श्रेणी पर भी निर्भर करता है. नीट यूजी कटऑफ परीक्षा की कठिनाई के स्तर, कुल उपलब्ध सीटों (विशेष रूप से सरकारी कॉलेजों में), परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों की संख्या और उनके हाई स्कोर जैसे कारकों पर निर्भर है. उदाहरण- अगर नीट यूजी परीक्षा आसान होती है और कैंडिडेट्स का प्रदर्शन बेहतर होता है तो कटऑफ ऊपर जाता है.

सरकारी मेडिकल कॉलेज में एडमिशन कैसे मिलेगा?

सरकारी मेडिकल कॉलेज में एडमिशन के लिए योग्यता अंक से ज्यादा स्कोर करने की जरूरत होती है, जो कि केवल काउंसलिंग प्रक्रिया में भाग लेने की पात्रता देता है. एक्चुअल एडमिशन के लिए मान्य अंक इससे बहुत अधिक होते हैं. स्टूडेंट्स को सलाह दी जाती है कि वे अपने लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए हाई स्कोर हासिल करने की कोशिश करें.

सरकारी मेडिकल कॉलेज में एडमिशन के लिए जरूरी कटऑफ मार्क्स (संभावित)

सरकारी मेडिकल कॉलेज में MBBS सीट के लिए जरूरी अंक कोटा और श्रेणी के अनुसार अलग-अलग होते हैं. नीचे पूरे भारत में कोटा (15% सीटें) और राज्य का कोटा (85% सीटें) के लिए संभावित कटऑफ अंक दिए गए हैं:

ऑल इंडिया कोटा के लिए कटऑफ (15% सीटें)

ऑल इंडिया कोटा के तहत देश के किसी भी सरकारी मेडिकल कॉलेज में एडमिशन के लिए प्रतिस्पर्धा सबसे कठिन होती है. इसलिए यहां कटऑफ अक्सर सबसे अधिक रहता है.

स्टेट कोटा के लिए कटऑफ (85% सीटें)

राज्य कोटा की सीटें संबंधित राज्य के निवासियों के लिए आरक्षित होती हैं.यह कटऑफ AIQ से कम रहता है. हालांकि, यह कटऑफ हर राज्य की सीटों की संख्या और प्रतिस्पर्धा के स्तर पर निर्भर करता है (जैसे दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान जैसे राज्यों में कटऑफ हाई रहती है).

उदाहरण: उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में जनरल श्रेणी के लिए सरकारी कॉलेज में सीट पाने के लिए 600-620+ अंक की जरूरत हो सकती है, जबकि SC/ST श्रेणी के लिए यह सीमा 420-490+ तक हो सकती है.

नीट कटऑफ कैसे तय होती है?

किसी भी साल नीट कटऑफ में बदलाव के कई कारण होते हैं:

परीक्षा का कठिनाई स्तर: अगर नीट का पेपर पिछले वर्ष की तुलना में अधिक कठिन होता है तो कटऑफ मार्क्स नीचे जा सकते हैं.

सीटों की संख्या में वृद्धि/कमी: अगर सरकारी मेडिकल कॉलेजों में MBBS/BDS सीटों की संख्या बढ़ती है तो कटऑफ कम हो सकती है क्योंकि ज्यादा छात्रों को प्रवेश का मौका मिलता है.

आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की संख्या: अगर नीट में शामिल होने वाले छात्रों की संख्या बहुत अधिक होती है और प्रतिस्पर्धा बढ़ती है तो कटऑफ उच्च हो जाता है.

टॉपर स्कोर: अगर टॉपर बहुत अधिक स्कोर करते हैं तो ओवरऑल कटऑफ भी ऊपर जा सकती है.

बीईएल में बीटेक-बीएससी वालों के लिए भर्ती, 340 पदों पर होगा चयन; सालाना पैकेज लगभग 13 लाख तक

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड , ने प्रोबेशनरी इंजीनियर के 340 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इच्छुक और पात्र उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट bel-india.in पर जाकर 14 नवंबर तक आवेदन कर सकते हैं। चयनित उम्मीदवारों को सालाना लगभग 13 लाख रुपये (CTC) का पैकेज मिलेगा। इस भर्ती अभियान के तहत कुल 340 पदों को भरा जाएगा।

आवेदन की जरूरी शर्तें

प्रोबेशनरी इंजीनियर पदों के लिए अनारक्षित (UR), ओबीसी और ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों के पास इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन, कम्युनिकेशन, टेलीकम्युनिकेशन, मैकेनिकल, कंप्यूटर साइंस, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स विषयों में बीई, बीटेक या बीएससी इंजीनियरिंग की फर्स्ट क्लास डिग्री होनी चाहिए। उपरोक्त विषयों में AMIE, AMIETE या GIETE की फर्स्ट क्लास डिग्री वाले उम्मीदवार भी आवेदन के योग्य हैं। इसके अतिरिक्त, एससी, एसटी और दिव्यांग उम्मीदवार उपरोक्त डिग्री/विषयों में पास क्लास के साथ भी आवेदन कर सकते हैं।

अधिकतम आयु सीमा 25 वर्ष निर्धारित की गई है, जिसकी गणना 1 अक्टूबर 2025 के अनुसार की जाएगी। एससी और एसटी उम्मीदवारों को 5 वर्ष, तथा ओबीसी उम्मीदवारों को 3 वर्ष की आयु छूट प्राप्त है।

आवेदन शुल्क

सामान्य और आर्थिक रूप से कमजोर/अन्य पिछड़ा वर्ग (एनसीएल) के उम्मीदवारों को आवेदन शुल्क 1000 रुपये + GST यानी कुल 1180 रुपये देना होगा। उम्मीदवारों को आवेदन करते समय ऑनलाइन फॉर्म में सभी जानकारी सही-सही भरनी होगी और जमा करने से पहले ध्यान से चेक करना होगा, क्योंकि एक बार फॉर्म जमा हो जाने के बाद उसमें कोई बदलाव नहीं किया जा सकता।

चयन प्रक्रिया

उम्मीदवारों की शॉर्टलिस्टिंग कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट (CBT) के आधार पर की जाएगी। जनरल, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों के लिए CBT और इंटरव्यू दोनों में मिनिमम क्वालिफाइंग मार्क्स 35% हैं।

एससी, एसटी और दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए यह 30% है। चयन कुल प्रदर्शन के आधार पर होगा। CBT का वेटेज 85 मार्क्स और इंटरव्यू का वेटेज 15 मार्क्स है।

छठ पूजा का तीसरा दिन सांध्य अर्घ्य कब होगा सूर्यास्त, मंत्र और मुहूर्त

छठ पूजा से जुड़ी पौराणिक कथा

प्रथम मनु स्वायम्भुव के पुत्र राजा प्रियव्रत को कोई संतान नहीं थी। महर्षि कश्यप ने राजा से पुत्र प्राप्ति के लिए यज्ञ करने को कहा। राजा ने यज्ञ कराया। इसके बाद महारानी मालिनी ने एक पुत्र को जन्म दिया लेकिन दुर्भाग्य से वह शिशु मृत पैदा हुआ। इस बात से राजा बेहद दुःखी थे। तभी आकाश से एक विमान उतरा जिसमें माता षष्ठी विराजमान थीं। जब राजा ने उनसे प्रार्थना की तो देवी ने अपना परिचय देते हुए कहा कि मैं ब्रह्मा की मानस पुत्री षष्ठी देवी हूं। मैं विश्व के सभी बालकों की रक्षा करती हूं और निःसंतानों को संतान प्राप्ति का वरदान देती हूं। इसके बाद देवी ने मृत शिशु को आशीष देते हुए हाथ लगाया, जिससे वह जीवित हो गया। देवी की इस कृपा से राजा बहुत प्रसन्न हुए और उन्होंने षष्ठी देवी की आराधना की। इसके बाद से ही छठ पूजा का प्रचलन प्रारंभ हुआ।

27 अक्टूबर 2025 छठ पूजा का समय:
सूर्योदय समय: छठ पूजा के दिन सूर्य उदय सुबह 06:30 बजे होगा।
सूर्यास्त समय: छठ पूजा के दिन सूर्या अस्त शाम 05:40 बजे होगा।
छठ पूजा पर षष्ठी तिथि का प्रारंभ और समापन समय:
षष्ठी तिथि प्रारम्भ- 27 अक्टूबर 2025 को सुबह 06:04 बजे से।
षष्ठी तिथि समाप्त- 28 अक्टूबर 2025 को सुबह 07:59 बजे तक।
छठ पूजा के दिन के शुभ मुहूर्त:
ब्रह्म मुहूर्त: प्रात: 04:47 से 05:38 तक।
प्रातः सन्ध्या पूजा: प्रात: 05:13 से 06:30 तक।
अभिजीत मुहूर्त: दिन में 11:42 से दोपहर 12:27 तक।
गोधूलि मुहूर्त : शाम को 05:40 से 06:06 तक।

27 अक्टूबर 2025 सोमवार के दिन छठ पूजा होगी। इस दिन निर्जला व्रत रखकर शाम को डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर उनकी पूजा करते हैं और इसी के साथ इस दिन षष्ठी की देवी छठ मैया की पूजा भी होती है। आओ जानते हैं कि इस दिन कब होगा सूर्यास्त, सूर्य को अर्घ्य देने का मंत्र और क्या है शुभ मुहूर्त।

छठ पूजा पर सूर्य मंत्र:- इस मंत्र का उच्चारण करते हुए तीन बार अस्त होते हुए सूर्यदेव को अर्घ्य दें।
ॐ एहि सूर्य सहस्त्रांशों तेजोराशे जगत्पते।
अनुकम्पया मां भक्त्या गृहाणार्घ्य दिवाकरः॥

छठ पूजा के पहले दिन नहाय खाय पर साफ सफाई होती है और छठ पूजा के लिए कई तरह के पकवान बनाए जाते हैं और पूजा सामग्री एकत्रित करके पूजा की तैयारी करते हैं। दूसरे दिन खरना पर दिनभर उपवास रखने के बाद शाम को खरना का अन्न ग्रहण करते हैं और इसके बाद प्रारंभ होता है छठ पूजा का निर्जला उपवास। तीसरे दिन छठ पूजा के दिन दिनभर पूजा और प्रसाद की तैयारी होती है और शाम को डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर रात में छठी मैया के गीत गाते हैं। अगले दिन सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का पारण करते हैं।

सूर्यास्त और सूर्योदय का समय

27 अक्तूबर को सूर्यास्त शाम 05 बजकर 40 मिनट पर।
28 अक्तूबर को सूर्योदय सुबह 06 बजकर 30 मिनट पर।
धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक छठ पूजा के पावन पर्व के दौरान आप शिवलिंग पर गंगाजल चढ़ाएं। इससे महादेव प्रसन्न होते हैं और सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं।
इस दौरान आप शिवलिंग पर कच्चा दूध अवश्य चढ़ाएं। मान्यता है कि इससे मानसिक शांति, रोग से मुक्ति, तनाव से राहत व रिश्तों में प्रेम-विश्वास बढता है।
छठ पूजा के दौरान शिवलिंग पर आप शमी का फूल भी चढ़ाएं। यह बेहद शुभ होता है। इसके प्रभाव से घर में सुख-समृद्धि भी वास करती है।
शिवलिंग पर चंदन शहद चढ़ाने से लंबे समय से अटके काम पूरे होते हैं। इसके अलावा महादेव सभी मनोकामनाएं भी पूरी करते हैं।
महाकाल को बेलपत्र अति प्रिय है। ऐसे में आप शिवलिंग पर 108 बेलपत्र अर्पित करें। इससे साधक के जीवन के बड़े से बड़े संकट दूर होते हैं। साथ ही अच्छी सेहत और सुखी जीवन का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है।

पीढ़ियों से छठ पूजा की मीठी परंपरा है ठेकुआ

ठेकुआ सिर्फ एक मिठाई नहीं, बल्कि आस्था और पवित्रता का प्रतीक है। यह बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में मनाए जाने वाले लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा का सबसे महत्वपूर्ण और अनिवार्य प्रसाद है। गेहूं के आटे, गुड़ या चीनी और शुद्ध देसी घी से बना यह खस्ता और स्वादिष्ट पकवान, सूर्य देव और छठी मैया को अर्पित किया जाता है।

ठेकुआ का हर निवाला इस पर्व की सादगी और धार्मिक महत्व को दर्शाता है। इसे पारंपरिक सांचों (सांचे) में खास नक्काशीदार आकार दिया जाता है, जो इसकी सुंदरता को और बढ़ा देता है। छठ के दौरान, ठेकुआ पूरे परिवार के साथ मिलकर बनाया जाता है, जिससे यह सिर्फ एक रेसिपी नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही एक मीठी परंपरा बन जाता है।

- सौंफ (ज़रूरी सामग्री)
- इलायची पाउडर (वैकल्पिक)
- कद्दूकस किया हुआ नारियल/ड्राई फ्रूट्स (स्वेच्छानुसार)
- पानी (गुड़ का घोल बनाने और आटा गूंथने के लिए)

पारंपरिक विधि:

1. गुड़ का घोल तैयार करें:
- गुड़ को छोटे टुकड़ों में तोड़ लें।
- एक पैन में थोड़ा पानी गर्म करें और उसमें गुड़ डालकर पिघलने तक चलाएं।
- जब गुड़ पूरी तरह घुल जाए, तो घोल को ठंडा होने दें और फिर छान लें ताकि अशुद्धियाँ निकल जाएँ। यह घोल हल्का गुनगुना इस्तेमाल करें।

2. आटा तैयार करें (मोयन लगाना):
- एक बड़े बर्तन में गेहूं का आटा लें।
- इसमें सौंफ, इलायची पाउडर और कद्दूकस किया हुआ नारियल (यदि इस्तेमाल कर रहे हैं) डालकर अच्छे से मिला लें।
- अब पिघला हुआ देसी घी (मोयन के लिए) आटे में डालें और हाथों से अच्छी तरह मिलाएं।
- मोयन सही है या नहीं, यह चेक करने के लिए आटे को मुट्ठी में दबाकर देखें; अगर मुट्ठी बन रही है तो मोयन सही है।

3. आटा गूंथना:
- तैयार आटे में थोड़ा-थोड़ा गुड़ का घोल डालते हुए सख्त/ मीडियम हार्ड आटा गूंथ लें।
- ध्यान रखें: ठेकुआ का आटा न ज़्यादा सख्त होना चाहिए और न ही ज़्यादा मुलायम, वरना तलने के दौरान टूट सकता है या खस्ता नहीं बनेगा। इसे ज़्यादा मसलना नहीं होता है, बस एक साथ इकट्ठा करना होता है।
- आटे को गूंथने के बाद लगभग 10 मिनट के लिए ढककर रख दें।

4. ठेकुआ को आकार देना:
- आटे से पूरी के आकार की छोटी-छोटी लोई बना लें।
- इसे हथेली से दबाकर चपटा करें या हल्का बेलकर मोटा डिस्क जैसा आकार दें।
- पारंपरिक रूप से ठेकुआ पर लकड़ी के सांचे/ साखू से या हाथ से, कांटे वाली चम्मच/fork या टूथपिक का उपयोग करके डिज़ाइन बनाई जाती है।

5. तलना (फ्राई करना):
- एक कढ़ाई में देसी घी या तेल गर्म करें।
- आंच को मध्यम से धीमी रखें।
- तैयार ठेकुआ को गर्म घी/तेल में धीरे-धीरे डालें और सुनहरा भूरा यानी और कुरकुरा होने तक दोनों तरफ से तलें।

क्या ईश्वर के विधान में भी गलती हो सकती है ?

एक बार संत राबिया की कुटिया पर 2 फकीर पधारे और बोले, "हो सके तो हमारे लिए भोजन की व्यवस्था कर दीजिए।"
फकीरों के खाना मांगने पर संत राबिया ने घर में देखा तो पाया कि वहां तो 2 ही रोटियां थीं। इतने में एक भिखारी ने भी आवाज लगाई, "भूखा हूं, कुछ खाने को दो।" अब राबिया ने दोनों रोटियां उस भिखारी को दे दीं। तभी छोटी-सी एक लड़की पोटली लेकर आई और बोली, "यह अम्मा ने भेजी है।"
राबिया ने उस पोटली को खोला तो पाया कि उसमें काफी रोटियां थीं। उन्होंने वे रोटियां फकीरों को परोस दीं। फकीर भी वहीं खड़े सब कुछ देख रहे थे, तो उन्होंने कहा, "भोजन तो हम बाद में करेंगे, पहले जो कुछ हुआ, वह हमें समझाओ। संत राबिया बोलीं, "घर में केवल 2 ही रोटियां थीं, इतने में भिखारी आ गया। परमात्मा का नाम लेकर दोनों रोटियां मैंने उसे दे दीं। साथ ही साथ परमात्मा से दुआ भी की, "सुना है कि तू दिए दान का दस गुना तो अवश्य ही वापस करता है। इसलिए आज मुझे इस दान का फल तुरंत देना।"
राबिया बोलीं, वह लड़की जब रोटियां लेकर आई, तो गिनने पर पाया कि केवल 18 रोटियां ही हैं, जबकि 2 का दस गुना तो 20 होता है। मैंने सोचा कि क्या परमात्मा के विधान में भी कोई गलती हो सकती है ? लगता है कि या तो मुझसे या फिर रोटी भेजने वाली महिला से कुछ गलती हो गई। लेकिन फिर जब मैंने दोबारा गिनती की, तो कुल 20 रोटियां थीं। मैं परमात्मा की शुक्रगुजार हूं कि उसने मेरी लाज रख ली और द्वार पर आए लोगों को भूखा नहीं जाने दिया।"
यह सुनकर फकीर बोले, "तुम, तुम्हारी ईश्वर भक्ति और आस्था धन्य है।"

संत कबीर ने सिखाया, क्यों सहनशील लोग कभी नहीं डूबते दुख के सागर में ?

एक युवक संत कबीर के पास मार्गदर्शन लेने पहुंचा। संत कबीर ने उसकी बात ध्यान से सुनी और उसे बैठने के लिए कहा। कुछ समय बाद संत कबीर ने पत्नी को दीया जलाकर लाने के लिए कहा। दोपहर का समय था। कबीर की कुटिया में उस समय भरपूर उजाला था। ऐसे में दीया जलाना बहुत ही अटपटा लग रहा था। लेकिन संत कबीर की पत्नी बिना किसी प्रतिक्रिया के दीया जलाकर ले आई। थोड़ी देर बाद कबीर की पत्नी दो प्यालों में दूध लेकर आईं। संत कबीर और उस युवक ने दूध पीना शुरू कर दिया।
कबीर की पत्नी ने पूछा, "दूध मीठा हो गया या और चीनी लाऊं ?" तब तक युवक थोड़ा दूध पी चुका था। दूध खारा था। शायद उसमें चीनी के बदले नमक डाला हुआ था। लेकिन संत कबीर बोले, "दूध पूरा मीठा है। तुम अब जा सकती हो।"
युवक समझ नहीं पा रहा था कि खारे दूध को मीठा बताने का क्या औचित्य हो सकता है? वह सोचने लगा कि संत कबीर मुझे क्या बताना चाहते हैं। युवक इसी उधेड़बुन में था कि संत कबीर बोले, "तुम सहनशीलता की भावना के साथ नए जीवन में प्रवेश करोगे तो तुम्हें कभी दुख नहीं होगा। तुमने देखा, हम दोनों एक-दूसरे को कितनी शांति से सह लेते हैं। मैंने दिन में दीया मंगवाया। मेरी पत्नी इतना तो समझती है कि दिन में प्रकाश की जरूरत नहीं होती। फिर भी उसने इसे सहज भाव से लिया। इसी प्रकार मैंने भी उसे सहने का प्रयास किया। तुमने दूध पीया, वह खारा था। मेरे प्याले में भी वही दूध था। मैंने उसे कुछ नहीं कहा। अब कुछ कह कर उसका दिल क्यों दुखाऊं?"

इन कथाओं से जानें, छठ पूजा का इतिहास

छठ पर्व या छठ व्रत सूर्य की उपासना का प्रतीक है। जिसमें व्रतधारी, व्रत के साथ ही विशेष स्वच्छता का ध्यान रखता है। नहाय खाय के साथ छठ पर्व की शुरूआत होती है। मालूम हो कि हर साल छठ व्रत कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को होती है। यह त्योहार विशेष रूप से बिहार, पूर्वांचल, झारखंड आदि क्षेत्रों में विशेष धूमधाम के साथ मनाया जाता है। छठ महापर्व के पीछे भी कई पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं।

राजा प्रियंवद व मालिनी की कहानी
पौराणिक कथाओं के अनुसार, राजा प्रियंवद को कोई संतान नहीं थी। तब महर्षि कश्यप ने पुत्र प्राप्ति के लिए यज्ञ कराकर प्रियंवद की पत्नी मालिनी को यज्ञ आहुति के लिए बनाई गई खीर दी। इससे उन्हें पुत्र हुआ, लेकिन वह मृत पैदा हुआ। प्रियंवद पुत्र को लेकर श्मशान गए और पुत्र वियोग में प्राण त्यागने लगे। उसी वक्त भगवान की मानस पुत्री देवसेना प्रकट हुई और उन्होंने कहा कि सृष्टि की मूल प्रवृत्ति के छठे अंश से उत्पन्न होने के कारण मैं षष्ठी कहलाती हूं। राजन तुम मेरी पूजा करो और इसके लिए दूसरों को भी प्रेरित करो। राजा ने पुत्र इच्छा से देवी षष्ठी का व्रत किया और उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। यह पूजा कार्तिक शुक्ल षष्ठी को हुई थी।

भगवान राम ने की थी सूर्यदेव की आराधना
एक दूसरी कथा के अनुसार, लंका पर विजय पाने के बाद रामराज्य की स्थापना के दिन कार्तिक शुक्ल षष्ठी को भगवान राम और माता सीता ने उपवास किया और सूर्यदेव की पूजा की। सप्तमी को सूर्योदय के वक्त फिर से अनुष्ठान कर सूर्यदेव से आशीर्वाद प्राप्त किया था। यही परंपरा अब तक चली आ रही है।

कर्ण ने शुरू की सूर्य देव की पूजा
एक अन्य कथा यह भी है कि छठ पर्व की शुरुआत महाभारत काल में हुई थी। सबसे पहले सूर्यपुत्र कर्ण ने सूर्य देव की पूजा शुरू की। कर्ण भगवान सूर्य के परम भक्त थे। वह प्रतिदिन घंटों कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देते थे। सूर्य की कृपा से ही वह महान योद्धा बने। आज भी छठ में अर्घ्य दान की यही परंपरा प्रचलित है।

छठ पर्व से पांडवों को मिला राजपाट
छठ पर्व के बारे में एक कथा और भी है। इसके अनुसार जब पांडव अपना सारा राजपाट जुए में हार गए, तब द्रौपदी ने छठ व्रत रखा। उनकी मनोकामनाएं पूरी हुई और पांडवों को राजपाट वापस मिल गया। लोक परंपरा के अनुसार, सूर्यदेव और छठी मईया का संबंध भाई-बहन का है। इसलिए छठ के मौके पर सूर्य की आराधना फलदायी मानी गई है।

पौधे ही बदल सकते हैं आपकी किस्मत! कौन-सा पौधा किस दिशा में लगाएं ?

हर इंसान चाहता है कि उसके घर में सुख, शांति और समृद्धि हमेशा बनी रहे। इसके लिए हम घर की साज-सज्जा से लेकर पूजा-पाठ तक हर उपाय अपनाते हैं, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि आपके घर में लगाए गए पौधे भी आपकी किस्मत बदल सकते हैं? वास्तु शास्त्र के अनुसार हर दिशा की अपनी एक अलग ऊर्जा होती है और अगर उस दिशा में सही पौधा लगाया जाए तो घर की नकारात्मक ऊर्जा खत्म होकर सकारात्मकता बढ़ती है। पौधे सिर्फ ऑक्सीजन ही नहीं देते, बल्कि ये घर का माहौल भी बदल देते हैं। हरियाली जहां होती है, वहां मन खुद-ब-खुद शांत होता है और तरक्की के रास्ते खुलने लगते हैं। कई बार लोग बिना दिशा जाने ही पौधे लगा देते हैं, जिससे लाभ की जगह नुकसान होने लगता है, अगर पौधे गलत दिशा में लगाए जाएं तो घर में अनबन, आर्थिक परेशानी या मानसिक तनाव बढ़ सकता है। इसलिए जरूरी है कि वास्तु के हिसाब से पौधों की सही दिशा का चुनाव किया जाए। आइए जानते हैं भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा से कि किस दिशा में कौन सा पौधा लगाने से जीवन में खुशहाली आती है और किनसे दूरी बनाना बेहतर होता है।

उत्तर दिशा
उत्तर दिशा को धन और समृद्धि की दिशा माना जाता है। इस दिशा के स्वामी कुबेर देव हैं, जो धन के

देवता माने जाते हैं, अगर आप इस दिशा में मनी प्लांट, तुलसी या शंखपुष्पी का पौधा लगाते हैं, तो घर में धन का प्रवाह बढ़ता है और रुका हुआ पैसा वापस आने की संभावना बनती है। मनी प्लांट को हरे रंग के गमले या कांच की बोतल में लगाकर उत्तर दिशा में रखें। ऐसा करने से आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। वहीं तुलसी का पौधा अगर उत्तर-पूर्व दिशा में लगाया जाए, तो यह घर में शुद्धता लाता है और बुरी नजर से रक्षा करता है।

पूर्व दिशा
पूर्व दिशा सूर्य देव की दिशा मानी जाती है और यह जीवन ऊर्जा का प्रतीक है। इस दिशा में तुलसी या बांस का पौधा लगाना शुभ होता है। तुलसी से घर में शांति और स्वास्थ्य बना रहता है, जबकि बांस को लंबी उम्र और समृद्धि का प्रतीक माना गया है। अगर आप ऑफिस या घर के बालकनी में बांस का पौधा रखते हैं, तो इससे तरक्की के रास्ते खुलते हैं और परिवार के सदस्यों में एकता बनी रहती है। ध्यान रखें कि सूखे या मुरझाए पौधे पूर्व दिशा में कभी न रखें, वरना घर की ऊर्जा प्रभावित हो सकती है।

दक्षिण दिशा
दक्षिण दिशा को यम की दिशा कहा गया है, लेकिन सही पौधा लगाने से यह दिशा शुभ फल भी देती है। इस दिशा में शमी का पौधा लगाना बहुत लाभदायक होता है। यह शनिदेव की कृपा दिलाता है और नकारात्मक ऊर्जा को खत्म करता है।
वास्तु के अनुसार, दक्षिण दिशा में कांटेदार या दूधिया पौधे जैसे कैक्टस लगाने से घर में कलह और तनाव बढ़ सकता है, इसलिए इन्हें इस दिशा में कभी न रखें। इसके बजाय आप रबर प्लांट या अशोक का पौधा लगा सकते हैं। यह न सिर्फ घर को हरियाली देता है, बल्कि वातावरण को शांत और सकारात्मक बनाए रखता है।

पश्चिम दिशा
पश्चिम दिशा रिश्तों और सामाजिक जीवन से जुड़ी होती है। इस दिशा में सुगंधित पौधे जैसे गुलाब, चमेली या गेंदा लगाना बहुत शुभ माना जाता है। इन पौधों की खुशबू घर के माहौल में प्रेम और सामंजस्य बढ़ाती है, अगर पति-पत्नी के बीच तनाव बना रहता है, तो पश्चिम दिशा में मनी प्लांट रखना फायदेमंद होता है। यह रिश्तों में मिठास लाता है और गलतफहमियों को दूर करता है। इसके अलावा आप गेरू रंग के पौधे भी इस दिशा में लगा सकती हैं – इससे सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है और दांपत्य जीवन में स्थिरता आती है।

मुख्य द्वार पर पौधे
घर का मुख्य द्वार वास्तु के अनुसार सबसे अहम जगह होती है क्योंकि यहीं से ऊर्जा का प्रवेश होता है। मुख्य द्वार के पास क्रासुला का पौधा लगाना बहुत शुभ माना गया है। इसे "मनी ट्री" भी कहा जाता है, जो धन को आकर्षित करता है और आर्थिक स्थिरता बढ़ाता है। ध्यान रखें कि घर के बाहर कांटेदार पौधे, सूखे पौधे या नकली पौधे कभी न रखें, ये घर की सकारात्मकता को रोकते हैं और मन में बेचैनी पैदा कर सकते हैं।

ध्रुव विक्रम को स्टार किड होने का मिला फायदा

अभिनेता ध्रुव विक्रम हाल ही में रिलीज हुई अपनी फिल्म बाइसन के प्रचार में व्यस्त हैं। यह फिल्म 17 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। 24 अक्तूबर को रिलीज होने वाले तेलुगु संस्करण के प्रचार के सिलसिले में, वे हैदराबाद में थे। अभिनेता विक्रम के बेटे ध्रुव ने स्टार किड होने के बारे में खुलकर बात की और इस किरदार को निभाने के लिए की गई मेहनत के बारे में बताया।

स्टार होने की वजह से मिले कई मौके

ध्रुव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्वीकार किया कि एक स्टार किड होने के नाते उन्हें कई मौके मिले हैं। वह इन मौकों का पूरा फायदा उठाने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा, यह सच है कि मैं एक स्टार किड हूं और मुझे मौके मिलते रहते हैं। हालांकि मैं लोगों को स्वीकार करने, मुझे प्यार करने, मेरे काम को पसंद करने के लिए मेहनत करता हूं। मैं तमिल, तेलुगु और भारतीय सिनेमा में अपनी जगह बनाने के लिए कुछ भी करने को तैयार हूं। इसके लिए मैं काम करता रहूंगा।
फिल्म बाइसन के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, बाइसन के बारे में, मैं हमेशा सोचता था कि अगर मेरी जगह कोई ऐसा व्यक्ति होता जो फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आता, तो वह कितना कुछ करता? वह कितना काम करता? मैं इस बारे में और इस फिल्म के लिए मेहनत करता और तैयारी करता। मैंने इस फिल्म को अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की।

फिल्म के बारे में

फिल्म बाइसन का लेखन और निर्देशन मारी ने किया है। फिल्म में ध्रुव और अनुपमा के अलावा पशुपति, अमीर, लाल, राजिशा विजयन और अजगम पेरुमल ने अभिनय किया है। यह कबड्डी खिलाड़ी मनाथी गणेशन के जीवन पर आधारित है और एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है जो जाति-आधारित भेदभाव को मात देते हुए खेल में अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करते हैं।

सिंगल मदर होना आसान नहीं

अभिनेत्री शुभांगी अत्रे टीवी सीरियल 'भाबीजी घर पर हैं' में अंगूरी भाभी का किरदार निभाकर घर-घर में प्रसिद्ध हुईं। सोशल मीडिया पर भी उनकी फैन फॉलोइंग तगड़ी है।वह एक सिंगल मदर हैं और बेटी की परवरिश अकेले कर रही हैं। आईएएनएस को दिए विशेष इंटरव्यू में उन्होंने वर्क-लाइफ बैलेंस के बारे में बात की। इसमें उन्होंने बताया कि बतौर सिंगल मदर वह कैसे काम और घर की जिम्मेदारियां संभालती हैं।
शुभांगी अत्रे ने कहा, यह बिल्कुल भी आसान नहीं है। मुझे सब कुछ खुद ही संभालना पड़ता है, चाहे वह घर हो या मेरी बेटी। कई दिन ऐसे भी आते हैं, जब यह बहुत अधिक बोझिल लगता है, लेकिन मैं एक समय में एक ही काम करने की कोशिश करती हूं। मैं यह सुनिश्चित करती हूं कि सेट पर या घर पर, जहां भी रहूं, उस पल में पूरी तरह से मौजूद रहूं।
उन्होंने कहा, प्रतिस्पर्धा हर जगह है, लेकिन मैं तुलना करने के बजाय खुद को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करना पसंद करती हूं। अवसर हमेशा आते रहेंगे, लेकिन आपको उन्हें पकड़ने के लिए तैयार रहना होगा। मैंने सीखा है कि आपको हमेशा सही अवसर नहीं मिलते, आप उन्हें अपनी कड़ी मेहनत और सही नजरिए से बनाते हैं। अगर आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित और केंद्रित रहें, तो वह अंततः आपके पास आ ही जाएगा।
क्या करियर में भाग्य की भूमिका भी होती है? इसका जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा, भाग्य आपके लिए एक दरवाजा खोल सकता है, लेकिन आपकी कड़ी मेहनत ही आपको उस कमरे में रखती है। मैंने कई लोगों को एक बार भाग्यशाली होते देखा है, लेकिन केवल वे ही आगे बढ़ते हैं, जो ईमानदार और निरंतर प्रयास करते रहते हैं। शुभांगी अत्रे ने कहा, अब मेरी महत्वाकांक्षा ऐसी भूमिकाएं निभाने की है जो मुझे एक अभिनेता के रूप में चुनौती दें। मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा अपने काम के प्रति मेरे प्रेम और अपनी बेटी के लिए एक उदाहरण पेश करने की मेरी इच्छा से मिलती है। दृढ़ संकल्प के साथ आप सब कुछ संभाल सकते हैं और साथ ही अपने सपनों को भी पूरा कर सकते हैं।

चार्मर ने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में मदद की

बॉलीवुड एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक्टर और सिंगर दिलजीत दोसांझ के गाने चार्मर को लेकर अपना एक खास अनुभव शेयर किया, जो उन्हें बेहद पसंद भी आया। इस गाने ने उन्हें अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में मदद की। सान्या ने इंस्टाग्राम पर चार्मर गाने का एक रिहर्सल वीडियो शेयर किया, जिसमें वह सफेद ड्रेस में शानदार डांस मूव्स करती नजर आईं। इसके साथ सान्या ने कैप्शन में लिखा, मैंने इससे पहले कभी हील्स में डांस नहीं किया और अब मैं रुकना नहीं चाहती। मुझे दिलजीत दोसांझ के चार्मर गाने पर डांस करने का मौका मिला। मेरी टीम और डायरेक्टर का शुक्रिया। जान्हवी कपूर और राखी सावंत ने इस पोस्ट पर फायर इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी। सोफी चौधरी ने लिखा, वो सब तो ठीक है... लेकिन मुझे कभी इतना स्वैग वाला फैन लड़का क्यों नहीं मिला? आप लोगों के मूव्स बहुत पसंद हैं... हमेशा।
चार्मर गाना दिलजीत के एल्बम ऑरा का हिस्सा है, जिसे 20 अक्तूबर को रिलीज किया गया। इस गाने का संगीत अवी सरा ने दिया और बोल राज रंजोध ने लिखे। वीडियो में सान्या एक खूबसूरत जगह पर जोशीले अंदाज में डांस करती दिख रही हैं। वीडियो को शारिक सेक्वेरा ने डायरेक्ट किया, श्लोक आहूजा ने शूट किया और यश कदम ने कोरियोग्राफी की। इसके पहले, दिलजीत के एल्बम से कुफर गाना रिलीज हुआ था, जिसमें मानुषी छिल्लर नजर आई थीं।

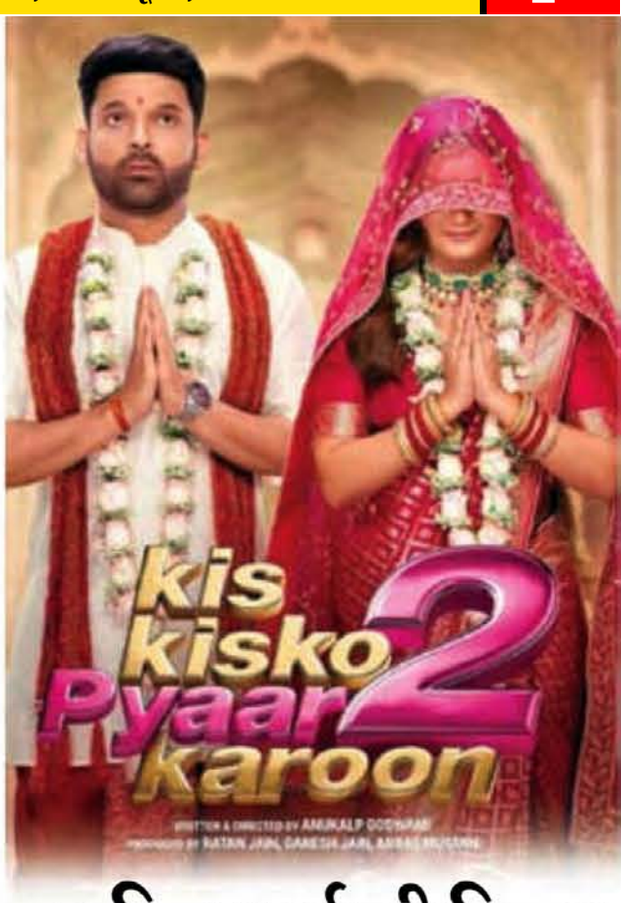

कपिल शर्मा की फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 के रिलीज डेट का एलान

मशहूर कॉमेडियन और अभिनेता कपिल शर्मा अभिनीत फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 को लेकर बड़ी अपडेट आ गई है। यह फिल्म बहुत जल्द दर्शकों के बीच आने वाली है। निर्माताओं ने इसके रिलीज डेट का एलान कर दिया है। आइए जानते हैं सिनेमाघरों में कब रिलीज होगी फिल्म।

कपिल ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया। यह क्लिप फिल्म के पोस्टर की एक स्लाइड थी जिसमें सभी कलाकार नजर आ रहे हैं। रिलीज की तारीख का खुलासा करते हुए, कॉमेडियन-अभिनेता ने लिखा, दोगुने कन्फ्यूजन और चार गुना मस्ती के लिए तैयार हो जाइए। किस किसको प्यार करूं 2, हंसी का धमाल सिर्फ सिनेमाघरों में 12 दिसंबर 2025 को शुरू होगा।
रिलीज डेट के सामने आते ही नेटिजंस काफी खुश हो गए हैं। एक यूजर ने लिखा, फिल्म से ज्यादा हनी सिंह के गाने का इंतजार है। वहीं दूसरे यूजर ने कहा, फिल्म बहुत शानदार होने वाली है। एक और यूजर ने कहा, केंडी यो यो हनी सिंह। इसके अलावा अन्य यूजर्स कपिल शर्मा के कॉमेडी अंदाज को देखने का इंतजार कर रहे हैं।

'किस किसको प्यार करूं 2' के बारे में

किस किसको प्यार करूं 2 का निर्देशन अनुकल्प गोस्वामी कर रहे हैं। इसके निर्माता रतन जैन और गणेश जैन हैं। फिल्म में कॉमेडी, भ्रम और तमाशा का ड्रामा देखने को मिलेगा। फिल्म के पहले पार्ट को भी दर्शकों का काफी प्यार मिला था। इस फिल्म का निर्माण अब्बास-मस्तान द्वारा वीनस वर्ल्डवाइड एंटरटेनमेंट के तहत अब्बास मस्तान फिल्म प्रोडक्शन के सहयोग से किया जा रहा है। कपिल शर्मा की यह फिल्म 12 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ब्रिटिश शासन पर आधारित पीरियड ड्रामा होगी प्रभास की अगली फिल्म

प्रभास इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म द राजा साब को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच प्रभास अपनी एक और नई फिल्म को लेकर चर्चा में आ गए हैं। माना जा रहा है कि इसका टाइटल फौजी होगा। हालांकि नए पोस्टर में प्रभास का पूरा लुक नहीं दिखाया गया है। इसमें ग्रेट ब्रिटेन का झंडा देखा जा सकता है। पोस्टर के कैप्शन में लिखा है 1932 से मोस्ट वांटेड। ऐसे में माना जा रहा है कि यह फिल्म ब्रिटिश शासन पर आधारित एक पीरियड ड्रामा होगी। इसमें प्रभास संभवतः एक स्वतंत्रता सेनानी की भूमिका निभा सकते हैं।
इससे पहले एक पोस्टर जारी किया गया था जिसमें बंदूकों का ढेर लगा था। इसके ऊपर एक शख्स की परछाई थी। इसमें दिवाली की शुभकानाएं भी दी गई थीं। इससे पहले साझा किए गए पोस्टर में शिलालेख थे, जिससे संकेत मिलता है कि फिल्म में पौराणिक विषयों का समावेश होगा। खबरों के मुताबिक टाइटल की आधिकारिक घोषणा प्रभास के जन्मदिन पर होगी। खबर है कि मैथ्री मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित, इस फिल्म में इमानवी मुख्य भूमिका में होंगी। इसमें मिथुन चक्रवर्ती, अनुपम खेर और जया प्रदा जैसे कलाकार भी होंगे। संगीत विशाल चंद्रशेखर का है। फिल्म को अगस्त 2026 में रिलीज करने की योजना है।
इस बीच, प्रभास की जनवरी 2026 में एक बड़ी फिल्म रिलीज होने वाली है, जिसका निर्देशन मारुति ने किया है। यह हॉरर-कॉमेडी द राजा साब है, जिसमें निधि अग्रवाल, मालविका मोहनन और संजय दत्त भी हैं।

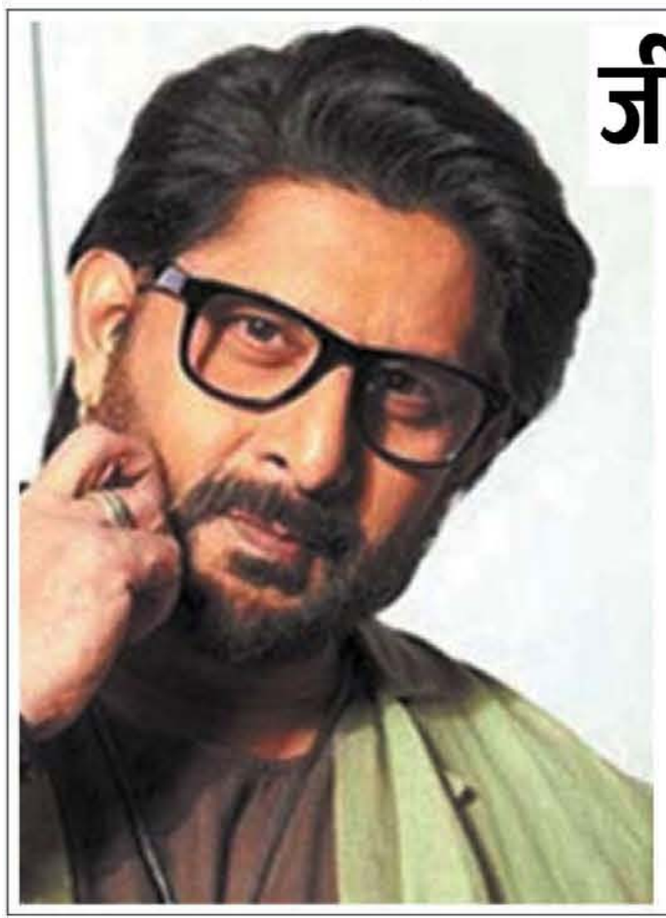

जीतू अगर मुझसे एक्टिंग सीखता, तो जरूर खराब करता

जब एक फिल्म में दमदार कहानी, मजबूत किरदार और सामाजिक सरोकार आपस में जुड़ते हैं, तो कलाकारों को भी उससे जुड़ने का एक गहरा कारण मिल जाता है। फिल्म भागवत चैप्टर 1 -राक्षस मानव तस्करी जैसे गंभीर विषय को हल्के-फुल्के कॉमर्शियल अंदाज में पेश करती है, उसी पर एक्टर अरशद वारसी ने खुलकर बातचीत की है। फिल्म में जहां अरशद एक इन्टेंस लेकिन दिलचस्प पुलिस ऑफिसर के किरदार में नजर आने वाले हैं, वहीं जीतेंद्र एक बिल्कुल अलग अवतार में दर्शकों को चौंकाने वाले हैं।

एक एक्टर के तौर पर आप इस फिल्म से कैसे जुड़े? ऐसा क्या था जो आपको इस प्रोजेक्ट की तरफ खींच लाया?

मैंने सबसे पहले हमारे डायरेक्टर अक्षय शेरे से स्क्रिप्ट सुनी। कहानी मुझे काफी मजेदार और इंटेंस लगी। स्क्रीनप्ले और कॉन्सेप्ट बहुत मजबूत था। जिस तरह से कहानी बुनी गई थी, उसमें दिलचस्पी जागी। काफी वक्त बाद मुझे एक ऐसा रोल मिला जिसमें मैं ऑफिसर की वर्दी पहन रहा हूं। इससे पहले मैंने 'सहर' फिल्म में एसएसपी अजय कुमार का रोल निभाया था। मेरा बस चले तो ऐसी ही एक वर्दी घर में बनवाकर रख लूं और पहनकर काम पर जाऊं। यह रोल लाइट कॉमेडी और कॉमर्शियल स्पेस में है लेकिन साथ ही थोड़ा इंटेंस भी है।

अरशद, आपके किरदार के अंदर एक आंतरिक संघर्ष चलता है जो फिल्म में नजर आता है। क्या इसके लिए आपने कोई खास तैयारी की?

सच कहूं तो मैंने इसके लिए कोई अलग रिसर्च या खास तैयारी नहीं की। मैं क्यों झूठ बोलूं कि मैं तीन महीने वनवास में चला गया था। जब मैंने कहानी सुनी, तो बस 24 घंटे उस किरदार के बारे में सोचता रहा। फिर फिल्म के राइटर और डायरेक्टर के साथ बातचीत होती रही कि वो मुझसे क्या चाहते हैं और मैं उस किरदार को कैसे जस्टिफाई करूं। उनसे इनपुट मिलते थे, जिसकी मदद से मैं अपने दिमाग में उस आदमी की एक छवि बना लेता था कि वो ऐसा होगा।

फिल्म मानव तस्करी पर आधारित है, क्या शूट से पहले आपने इसके लिए कोई रिसर्च की?

मेरा मानना है कि फिल्म किसी भी विषय पर हो, एक कलाकार को फिल्म के नजदीक रहना चाहिए। जो कहानी राइटर ने लिखी है, वही आपकी जानकारी होनी चाहिए। वरना आप फिल्म की सोच से भटक सकते हैं। साथ ही, हमारे राइटर और डायरेक्टर पहले से ही विषय पर गहरी रिसर्च कर चुके थे, तो मुझे अलग से रिसर्च की जरूरत नहीं पड़ी।

क्या आपको लगता है कि फिल्म दर्शकों के दिलों में अपनी छाप छोड़ पाएगी? जब लोग फिल्म देखें तो उन्हें क्या महसूस होना चाहिए?

हर फिल्म किसी न किसी जज्बात को छूती है। मुझे उम्मीद है कि इस फिल्म में भी कुछ ऐसी बातें होंगी जो दर्शकों के दिल तक पहुंचेगी। जो हालात हमने फिल्म में दिखाए हैं, वो उनके जेहन में रहें। लोग समझें कि हमने क्या दिखाने की कोशिश की है। और सबसे बड़ी बात, उन्हें यह महसूस हो कि उनका समय बेकार नहीं गया।

आप नॉन-फिल्मी बैकग्राउंड से आते हैं। साथ में काम करते वक्त क्या आपने अपनी जर्नी के संघर्षों में कुछ समानता देखी?

मुझे तो लगता है कि हम दोनों ही बहुत रेगुलर लोग हैं, लेकिन बहुत टैलेंटेड हैं। जीतेंद्र बहुत अच्छा एक्टर है। अगर ऐसा नहीं होता तो फिल्म का सारा भार मुझ पर आ जाता और इसकी एक्टिंग भी मुझे ही करनी पड़ती। अगर कभी इसने मुझसे एक्टिंग सीख ली होती, तो शायद और भी खराब परफॉर्म करता।

गौतमबुद्धनगर में 200 करोड़ की लागत से बनेगा मत्स्य एक्वा पार्क : डॉ संजय सिंह

नोएडा (चेतना मंच)। मत्स्य उद्योग को हाईटेक करने के लिए गौतमबुद्धनगर में 200 एकड़ में इंटीग्रेटेड एक्वा पार्क बनाया जाएगा। शासन को इसका प्रस्ताव भेज दिया गया है। यह जानकारी उत्तर प्रदेश के मत्स्य विभाग के मंत्री डॉ. संजय निषाद ने पत्रकार वार्ता में दी।

डॉ. संजय निषाद ने बताया कि एक्वा पार्क के निर्माण में केन्द्र सरकार की 60 फीसदी तथा उप्र सरकार की 40 फीसदी भागीदारी होगी।

इस एक्वा पार्क में मत्स्य पालन के प्रशिक्षण से लेकर विभिन्न बीजों का उत्पादन किया जाएगा। यहां पर एक छत के नीचे सभी सुविधाएं रहेंगी।

उत्तर प्रदेश सरकार के मत्स्य विभाग के मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने शक्ति सदन गेस्ट हाउस, सेक्टर-38, नोएडा में जिला स्तरीय अधिकारियों, लीड बैंक प्रबंधक तथा सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

पत्रकार वार्ता में डॉ संजय निषाद ने बताया कि । माननीय मंत्री जी ने निर्देश दिया कि पात्र लाभार्थियों का चयन पूर्ण पारदर्शिता के साथ किया जाए तथा उन्हें समय पर योजनाओं का लाभ मिले। उन्होंने सिंचाई विभाग को मत्स्यपालन के अनुकूल जलाशयों एवं तालाबों के पुनरुद्धार के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए। साथ ही लीड बैंक प्रबंधक को लाभार्थियों को ऋण उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को सरल और त्वरित बनाने का निर्देश दिया। विभागीय अधिकारियों द्वारा बैठक में बताया कि मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत अब तक 8 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया है, जबकि निशाद राज योजना में 2 लाभार्थियों को लाभ प्राप्त हुआ है। इसी प्रकार प्रधानमंत्री मत्स्य संवीदा योजना के अंतर्गत अब तक 15 लाभार्थियों को तथा प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह योजना के अंतर्गत 242 लाभार्थियों को लाभ प्रदान किया जा चुका है।

मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार मत्स्यपालन क्षेत्र को आत्मनिर्भर भारत अभियान का सशक्त स्तंभ बनाने के लिए सतत प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से मत्स्यपालकों को तकनीकी सहायता, वित्तीय सहयोग एवं विपणन सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे वे आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बन सकें।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डा0 शिवाकांत द्विवेदी, मुख्य मत्स्य अधिकारी आशीष मौर्य, अधिशासी अभियंता सिंचाई विभाग सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती मनाई

नई दिल्ली। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा द्वारा दिल्ली में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती मनाई गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ सरदार पटेल की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर और पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।

इस अवसर पर देशभर से आए न्यायिक, प्रशासनिक अधिकारियों, समाजसेवियों और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को महासभा द्वारा सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. यशवीर सिंह ने की जबकि संचालन राष्ट्रीय महासचिव राजपाल कसाना ने किया।

जनपद गौतमबुद्धनगर से भाकियू जिलाध्यक्ष अशोक भाटी को समाज उत्थान, निस्वार्थ सेवा और उत्कृष्ट कार्यों के लिए राष्ट्रीय कार्यकारिणी द्वारा विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में एडवोकेट अनिल चौहान, इंद्राज बिधूड़ी, हिमांशु हरि, प्रदीप नगर, अनुराग कसाना, प्रमोद चौधरी, अमोद बिधूड़ी, पूर्व मंत्री हरिश्चंद्र भाटी, डॉ. जिलेराम, रामशरण नागर, दिनेश गुर्जर, डिबलू मुंडन, मनोज चपराना, रूपचंद मुनीम , अजीत मुखिया, सिंहराज गुर्जर, विपिन प्रधान, संजय फौजी, दीपक भाटी, ओम सिंह अवाना, आनंद भाटी सहित महासभा के पदाधिकारी मौजूद रहे।

2.25 लाख लोगों को किया गया साइबर जागरूक

नोएडा (चेतना मंच)। अक्टूबर माह को नेशनल साइबर अवेयरनेस मंथ के रूप में मनाया जा रहा है,

जिसका उद्देश्य भारत को साइबर जागरूक और साइबर सशक्त बनाना है। इसी क्रम में पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में और अपर पुलिस उपायुक्त (साइबर) श्रीमती शैव्या गोयल के नेतृत्व में एक मेगा साइबर अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के तहत 1200 से अधिक स्थानों पर RWA और AOA के सहयोग से लगभग 2.25 लाख से अधिक नागरिकों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। पार्कों, मॉल, बाजारों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर बड़ी स्क्रीन लगाकर लोगों को साइबर हाइजीन, ऑनलाइन फ्रॉड से बचाव के उपाय और सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सुरक्षा एवं साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ श्री अमित दुबे ने भी आमजन को संबोधित किया। श्री दुबे, जो AI और क्वांटम कंप्यूटिंग के अग्रणी शोधकर्ता हैं, सरकारी एजेंसियों और पुलिस विभागों के सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं। वे रेडियो शो 'हिडन फाइल्स' और टीवी शो 'साइबर क्राइम की दुनिया-बचके रहना' के लोकप्रिय होस्ट हैं। उन्होंने अब तक 900,000 से अधिक पुलिस अधिकारियों, न्यायाधीशों और नौकरशाहों को साइबर प्रशिक्षण दिया है तथा गोल्डेन पी-कॉक एवार्ड तथा यू एसीज ग्राहमबेल एवार्ड सहित कई अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त किए हैं।

गौतमबुद्धनगर पुलिस के इस अभिनव अभियान को साइबर साक्षरता को नई दिशा देने वाली सार्थक पहल के रूप में सराहा जा रहा है।

सपाइयों ने मनाई नामदेव महाराज की जयंती

नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर द्वारा सेक्टर-73ए स्क्वायर मॉल में संत शिरोमणि नामदेव महाराज जी की जयंती मनाई गई। सपाईयों ने संत शिरोमणि नामदेव जी महाराज के बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया।

सपा महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने संत शिरोमणि नामदेव जी महाराज के आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया। सपा अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि संत नामदेव आजीवन अध्यात्म एवं मानव सेवा के लिए काम करते रहे। उन्होंने लोगों को भक्ति मार्ग पर चलने का संदेश दिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वह संत शिरोमणि नामदेव जी महाराज के बताए रास्ते पर चलकर समाज को एक नई दिशा दें। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के महानगर महासचिव विकास यादव, महकार तंवर, गौरव कुमार यादव, दिव्यांशु यादव, रविंद्र यादव, रामवीर यादव, राणा मुखर्जी, लोकेश यादव, उदय सिंह, सतवीर यादव, कृपा शंकर यादव, अंकुर पहलवान, अंकित यादव, कुलदीप प्रजापति ,सुरेंद्र ,मनजीत, नकुल चौहान, राम सहेली, रेणुका मेथी, कमल सिंह गौतम, रंजन कुमार, मोहित यादव, वीर बहादुर मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

नोएडा पंजाबी एकता समिति की आमसभा सम्पन्न

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा पंजाबी एकता समिति (पंजी.) की आमसभा समिति के अध्यक्ष वीरेंद्र मेहता की अध्यक्षता में संपन्न हुई। सभा में महासचिव नरेंद्र चोपड़ा ने आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की तथा लोहड़ी उत्सव के आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा की। सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि आगामी लोहड़ी कार्यक्रम का आयोजन वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनीत मेहता के नेतृत्व में किया जाएगा।

इस अवसर पर कोषाध्यक्ष गौरव चाचरा एवं उपाध्यक्ष नवीन सोनी ने इन निर्णयों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की सफलता हेतु पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। सभा में पूर्व में आयोजित कार्यक्रमों का लेखा-जोखा भी प्रस्तुत किया गया, जिसे उपस्थित सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से अनुमोदित किया।

सभा में समिति के अनेक वरिष्ठ सदस्य, संरक्षक जसविंदर खोकर, एस.पी. आनंद एवं सांसद प्रतिनिधि संजय बाली, सभी पदाधिकारी कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे।

छठव्रतियों ने खरना की पूजा कर परिवार के सुख-समृद्धि की कामना की

नोएडा (चेतना मंच)। अखिल भारतीय प्रवासी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मुन्ना कुमार शर्मा ने बताया है कि सूर्योपासना के महान पर्व छठ की तैयारियां नोएडा के कई सेक्टरों में जोरों से चल रही हैं।

सेक्टर-75 के सेंट्रल पार्क में श्री सूर्यदेव पूजा समिति नोएडा द्वारा श्री छठ पूजा महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है।समिति के अध्यक्ष डॉ ?मुन्ना कुमार शर्मा ने बताया कि छठव्रतियों को अर्घ्य प्रदान करने के लिए 60 फीट लंबा, 25 फीट चौड़ा और 4 फीट गहरा तालाब का निर्माण किया गया है।कल 27 अक्टूबर को सायंकाल अस्ताचलगामी भगवान सूर्यदेव को अर्घ्य दिया जाएगा।

महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा के लिए आज आयोजन समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें समिति के अध्यक्ष डॉ मुन्ना कुमार शर्मा,महासचिव राजीव त्यागी, कोषाध्यक्ष प्रभात राय, सहकोषाध्यक्ष हरि प्रसाद,उपाध्यक्ष डॉ. शशांक शेखर,बसंत उपाध्याय, मनीष यादव,मनीष झा,अतुल जैन, अनुराग श्रीवास्तव, अनमोल सिंह, सुनील अग्रवाल, मधुरेन्द्र सिंह, संतोष कुमार, शोभित सक्सेना, विनोद कुमार, रमाशंकर शर्मा, उत्पल कुमार, दुर्गादास शाह, संजय कुमार, किरण कुमार, प्रशांत बिष्ट, वीके खुराना, विनय ठाकुर, नरेश केडिया आदि उपस्थित थे।

28 अक्टूबर को कार्तिक शुक्ल सप्तमी के प्रातःकाल उदीयमान भगवान सूर्य को दूध एवं जल से अर्घ्य दिया जायेगा। अर्घ्य के उपरांत छठव्रती छठघाट के निकट बने सूर्य पिंडों के पास बैठकर भगवान भास्कर की पूजा करेंगी।अर्घ्य और पूजा के उपरांत छठव्रतियों के 36 घन्टे का निर्जला व्रत समाप्त हो जायेगा और उनके पारण के बाद चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन हो जायेगा।

पंकज सिंह ने किया स्टेडियम में छठ घाट का निरीक्षण

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा स्टेडियम, सेक्टर-21 में आयोजित होने वाले आस्था का महापर्व छठ से एक दिन पूर्व नोएडा विधायक पंकज सिंह ने नोएडा स्टेडियम पहुंचकर छठ घाट का निरीक्षण किया।

नोएडा में कई स्थानों पर महापर्व छठ का आयोजन हो रहा है सभी जगहो पर श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियों को समय पर पूरा करने, घाट की साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं का विशेष ध्यान रखने हेतु विधायक पंकज सिंह ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए, ताकि पर्व शांतिपूर्ण और सुचारु ढंग से संपन्न हो सके।

इस मौके पर प्रवासी महासंघ के अध्यक्ष आलोक वत्स, टी एन चौरसिया, अवधेश राय, अमित त्यागी, विकास तिवारी, छाया राय, जितेंद्र सिंह, अखिलेश सिंह, अशोक सिंह, विजय सिंह, अभिनव पांडे, रंजीत गुप्ता,विनोद शर्मा, करतार सिंह चौहान, बबलू यादव, डिंपल आनंद, प्रदीप यादव, गोपाल गौड़, नरेश राणा सहित प्रवासी महासंघ एवं भाजपा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।